राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 144 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, सोमवार, 06 दिसम्बर 2021 मूल्य: 1.50/-

Short News एक नजर

पांच बेटियों संग कुएं में कूदी मां, मौत

कोटा (राजस्थान)। अपने पति के साथ नियमित झगड़े से परेशान एक 40 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर अपनी पांच नाबालिग बेटियों के साथ एक कुएं में छलांग लगा दी। सभी की मौत हो गई। घटना के वक्त उसका पति रिश्तेदार की शोक में शामिल होने गया था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, ग्रामीणों ने रविवार सुबह छह शवों को देखा और पुलिस को सूचित किया। इसके बाद शवों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। मृतक महिला की पहचान चेचट थाना क्षेत्र के कालियाहेड़ी गांव के बंजारों का डेरा निवासी सात बच्चों की मां बादामदेवी और पत्नी शिवलाल बंजारा के रूप में हुई है। मृतक पांच नाबालिग लड़कियां सावित्री (14), अंकली (8), काजल (6), गुंजन (4) और एक वर्षीय अर्चना हैं। पुलिस ने कहा कि घटना के वक्त उक्त महिला की दो अन्य बेटियां गायत्री (15) और पूनम (7) - सो रही थीं, इसलिए वे बच गईं।

प्रियंका चतुर्वेदी ने संसद टीवी के एंकर पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने संसद के मानसून सत्र में 'अशोभनीय आचरण' को लेकर 11 अन्य लोगों के साथ राज्यसभा से निलंबन के बाद संसद टीवी से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल, प्रियंका चतुर्वेदी संसद टीवी में एक कार्यक्रम में एंकर की जिम्मेदारी संभालती थीं। शो के एंकर के रूप में इस्तीफा देने को लेकर प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू को एक पत्र लिखकर उसका कारण भी दिया है।

कार में लगी आग, छह लोग जिंदा जले

चित्तूर। आंध्रप्रदेश के चित्तूर के चंद्रगिरि अंचल के पास पुथलापट्टू-नैदुपेटा मार्ग पर सड़क दुर्घटना में 6 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है तेल रिसाव से कार में आग लगी। कार में कुल 8 लोग सवार थे। मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार को आंध्रप्रदेश के चित्तूर में बड़ा हादसा हो गया। चंद्रगिरि अंचल के पास पुथलापट्टू-नौदुपेटा मार्ग पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इंस्पेक्टर बीवी श्रीनिवास ने बताया कि तेल रिसाव के कारण कार में आग लग गई। कार में कुल आठ लोग सवार थे। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। इंस्पेक्टर श्रीनिवास ने कहा कि बाकी तीन को रेस्क्यू कर रुइया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां एक अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

डराने लगा ओमिक्रॉन

एक दिन में ओमिक्रॉन के 17 केस | महाराष्ट्र में 7, राजस्थान में नौ और दिल्ली में एक केस मिले

नई दिल्ली

देश में रविवार को ओमिक्रॉन के एक साथ 17 केस मिले। राजस्थान में सबसे ज्यादा 9 मरीज मिले हैं। ये सभी एक परिवार के हैं। इनमें से 4 हाल में दक्षिण से लौटे थे। चारों के संपर्क में आए 5 और लोगों में ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई है। इससे पहले पुणे में एक और पिंपरी चिंचवाड़ में 6 लोगों में नया वैरिएंट मिला है। दिल्ली में भी एक मरीज इससे संक्रमित मिला है। इसके साथ ही देश में इस वैरिएंट के 22 केस हो गए हैं।

पुणे में एक ही परिवार के सात लोग संक्रमित

महाराष्ट्र के पुणे में रविवार को ही ओमिक्रॉन के पिंपरी चिंचवाड़ में कोरोना पॉजिटिव पाए गए 7 लोगों के सैंपल्स जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए थे। इसमें कोरोना के नए वैरिएंट की पुष्टि हुई। इन सभी को क्वारैंटाइन कर दिया गया है। महाराष्ट्र हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक, पिंपरी चिंचवाड़ में ओमिक्रॉन से संक्रमित मिले 7 लोगों में से 4 अभी विदेश से लौटे थे। इन सभी का टेस्ट कराया गया था, जिसमें ये पॉजिटिव पाए गए थे। इसके बाद इनके संपर्क में आने वाले 3 अन्य का भी टेस्ट कराया गया था। ये तीनों भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इन सभी के सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए थे, जिसकी रिपोर्ट रविवार को आई है। इस रिपोर्ट में इन सभी को ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित बताया गया है।

राहतः ओमिक्रॉन के खिलाफ कारगर है वैक्सीन

देश में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच एक राहत भरी खबर आई है। काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च सेंटर (CSIR) फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के पूर्व प्रमुख डॉ. राकेश मिश्रा का कहना है कि कोरोना वैक्सीन नए ओमिक्रॉन वैरिएंट पर भी असरदार है। उनका कहना है कि वैक्सीन कोरोना से बचाने में शील्ड की तरह काम करेगी। डॉ. मिश्रा टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स एंड सोसायटी के डायरेक्टर भी हैं।

हाइब्रिड इम्यूनिटी से मिलेगा फायदा

उन्होंने कहा कि नए वैरिएंट के खिलाफ हाइब्रिड इम्यूनिटी प्रभावशाली होगी। वैज्ञानिक रूप से इसे मान्यता मिल रही है। मुझे लगता है कि इसे सुरक्षात्मक होना चाहिए। हो सकता है थोड़ा कम ही सही, लेकिन वैक्सीन इसमें काफी सहायक हो सकती है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि इन्फेक्शन की वजह से नेचुरल इम्यूनिटी मिलती है। वैक्सीन इम्यूनिटी टीके से मिलती है। वहीं, पहले संक्रमित हो चुका व्यक्ति जब वैक्सीनेटेड हो जाता है, तो हाइब्रिड इम्यूनिटी मिलती है। उन्होंने कहा कि अगर लोगों को नेचुरल इन्फेक्शन हुआ है और साथ में उन्होंने वैक्सीन भी ली है तो ऐसा होना चाहिए। बड़े शहरों में काफी लोगों को जाने-अनजाने इन्फेक्शन हुआ है। इसलिए काफी लोगों में हाइब्रिड इम्यूनिटी होगी।

दक्षिण अफ्रीका से लौटा था राजस्थान का परिवार

राजस्थान के संक्रमित मिले परिवार के 4 सदस्य 25 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका से दुबई और मुंबई होते हुए जयपुर पहुंचे थे। यहां इनकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई थी। इनके सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए थे। उसकी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। यह परिवार राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (RUHS) में भर्ती है। इनमें माता-पिता के साथ दो बच्चे शामिल हैं।

कहां कितने केस

महाराष्ट्र	08
राजस्थान	09
दिल्ली	01
गुजरात	01
कर्नाटक	02

दिल्ली में तंजानिया से आया शख्स संक्रमित

दिल्ली में भी ओमिक्रॉन के पहले केस का पता चला है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि संक्रमित तंजानिया से आया था। एयरपोर्ट पर जांच के बाद उसके ओमिक्रॉन संक्रमित होने की जानकारी मिली। उसे दिल्ली के LNJP अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

नगालैंड में सुरक्षाबलों ने उग्रवादी समझकर मारी गोली

13 लोगों की मौत

सीएम ने बिठाई जांच

कोहिमा

नगालैंड के मोन जिले से एक बड़ी घटनासामने आई है। यहां पर कथित तौर पर सुरक्षाबलों ने ग्रामीणों को उग्रवादी समझकर उन पर गोलियां चला दीं, जिसमें कम से कम 13 ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य घायल बताए जा रहे हैं। ये सभी ग्रामीण म्यांमार से सटे गांव ओटिंग के थे। घटना के बाद मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने शांति की अपील करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि घटना की उच्च स्तरीय जांच भी कराई जाएगी। इस घटना में एक सुरक्षा बल के जवान की भी मौत की खबर है।

सूत्रों के मुताबिक तिरु-ओटिंग रोड पर एक गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने डेरा डाला था। इसी दौरान ग्रामीण उधर से आ गए। आरोप है कि गलती से सुरक्षा बलों ने उन्हें उग्रवादी समझ लिया और गोलियां बरसा दीं। इसमें कई लोग घायल हो गई। सुरक्षाकर्मियों की ओर की गई कार्रवाई के बाद ग्रामीण आक्रोश में आ गए और सुरक्षाबलों का घेराव कर उनकी गाड़ी में आग लगा दी। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने अपनी आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें कई लोग घायल भी हुए हैं। बताया जा रहा है कि घटना के बाद कुछ ग्रामीणों ने सुरक्षा बलों के कैंप को घेर लिया और उसके एक हिस्से को आग के हवाले करने की भी कोशिश की।

गुस्साए ग्रामीणों ने सुरक्षा बलों की गाड़ियों में आग लगा दी

दुर्भाग्यपूर्ण घटना से दुखी हूं: अमित शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, 'नगालैंड के ओटिंग में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना से दुखी हूं। मैं उन लोगों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जाहिर करता हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई है। राज्य सरकार इसकी हाई-लेवल SIT जांच कराएगी, ताकि पीड़ित परिवारों को न्याय मिल सके।'

असम राइफल ने बिठाई कोर्ट ऑफ इंक्वायरी

असम राइफल्स की ओर से घटना पर बयान जारी किया गया है। कहा गया है कि उग्रवादियों के एक संभावित आंदोलन की खुफिया जानकारी के आधार पर सोम जिले में विशेष अभियान की योजना बनाई गई थी। इस दौरान हुई मौतों के कारण की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी बिठाई गई है। मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कई सुरक्षा बलों को भी चोटें आई हैं, तो वहीं एक सैनिक शहीद भी हो गया है। घटना पर असम राइफल्स ने खेद व्यक्त किया है।

जिले में इंटरनेट बंद

मोन जिले में घटना के बाद हिंसा फैसले के डर से जिला प्रशासन ने इंटरनेट और एसएमएस सुविधा को पूरी तरह बंद कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि इस अवधि में कोई भी न तो मैसेज भेज पाएगा और न ही इंटरनेट का प्रयोग कर सकेगा। बताया कि वाट्सएप, फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए गलत संदेश प्रसारित किए जा रहे थे, जिसके चलते यह फैसला लिया गया है। इंटरनेट और एसएमएस सुविधा को अगले आदेश तक बंद रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र सरकार

परमबीर कोई 'व्हिसलब्लोअर' नहीं, ट्रांसफर के बाद उठाए भ्रष्टाचार के मामले

नई दिल्ली

महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह को कानूनन एक व्हिसलब्लोअर नहीं माना जा सकता है। सरकार ने सिंह की याचिका को खारिज करने की मांग उठाते हुए कहा कि ऐसा इसलिए, क्योंकि सिंह ने पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के बारे में अपने ट्रांसफर के बाद जानकारी दी।

न्यायाधीश एसके कौल की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने 22 नवंबर को महाराष्ट्र पुलिस को परमबीर सिंह को उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में गिरफ्तार न करने का निर्देश देते हुए बड़ी राहत दी थी। पीठ ने हैरानी जताई थी कि क्या पुलिस अधिकारियों और वसूली करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए उनका पीछा किया जा रहा है।

परमबीर सिंह अपनी याचिका में इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से करवाने और राज्य सरकार की ओर से किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा की मांग की है। इसे लेकर महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दायर किया है। इस हलफनामे में कहा गया है कि सिंह के खिलाफ आपराधिक मामलों में हो रही जांच में बाधा नहीं पहुंचानी चाहिए।

हलफनामे में महाराष्ट्र गृह विभाग के संयुक्त सचिव वेंकटेश माधव ने कहा है कि याचिकाकर्ता (परमबीर सिंह) को व्हिसलब्लोअर नहीं माना जा सकता है।

याचिकाकर्ता के 20 मार्च 2021 के पत्र से साफ होता है कि उन्होंने कथित भ्रष्टाचार के जो मामले बताए वह मार्च से कुछ महीने पहले हुए थे। लेकिन उन्होंने ये आरोप 20 मार्च को लगाए, अपने ट्रांसफर के तीन दिन बाद।

ईडी ने दर्ज किया परमबीर का बयान

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महाराष्ट्र पुलिस से जुड़े धनशोधन मामले की जांच में मुंबई के निलंबित पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह का बयान दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सिंह का बयान तीन दिसंबर को ईडी के दक्षिण मुंबई स्थित कार्यालय में दर्ज किया गया था। इस दौरान सिंह से करीब पांच घंटे तक इस मामले के जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ की गई थी। ईडी की ओर से सिंह को तीन बार समन भेजा जा चुका था, लेकिन वह पेश नहीं हुए थे। सूत्रों के अनुसार एजेंसी उन्हें फिर समन भेज सकती है। 1988 बैच के आईपीएसअधिकारी सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद कुछ दिन पहले महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था। वसूली के आरोप में सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर हुई है।

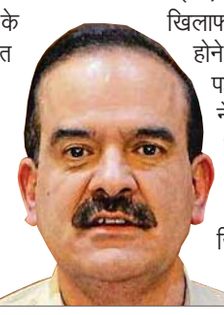

हिरासत में जैकलीन फर्नांडिस

मुंबई एयरपोर्ट से शो के लिए विदेश रवाना हो रही थी अभिनेत्री | लुकआउट नोटिस के बावजूद देश छोड़ने की तैयारी

मुंबई

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलिन फर्नांडिस को मुंबई एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया गया है। रविवार को मुंबई एयरपोर्ट पर पहले उन्हें रोका गया और फिर हिरासत में ले लिया गया। बताया जा रहा है कि वह शो के लिए विदेश जा रहीं थीं। सूत्रों के अनुसार जैकलिन को मुंबई हवाई अड्डे पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने लुक आउट सर्कुलर के कारण सुकेश से जुड़े 200 करोड़ रुपये के एक्सटॉर्शन मामले में रोका था। बीते कुछ वक्त से सुकेश चंद्रशेखर के साथ नाम जुड़ने को लेकर जैकलिन सुर्खियों में हैं। हाल ही में ईडी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सुकेश ने जैकलिन को करोड़ों रुपये के गिफ्ट दिए थे।

दरअसल जैकलिन फर्नांडिस एक शो के लिए दुबई रवाना होने वाली थीं। ऐसे में मुंबई एयरपोर्ट से उनकी फ्लाइट थी, लेकिन उन्हें रोक लिया गया और फिर हिरासत में ले लिया गया। जानकारी के मुताबिक ईडी के लुक आउट सर्कुलर की वजह से जैकलिन को एयरपोर्ट पर रोका गया और विदेश नहीं जाने दिया गया। बताया जा रहा है कि लुक आउट सर्कुलर के निर्देशों के मुताबिक जैकलिन देश नहीं छोड़ सकती हैं। जैकलिन को अब दिल्ली लाया जाएगा और ईडी उनसे पूछताछ करेगी। ईडी के मुताबिक, सुकेश और जैकलिन की बातचीत जनवरी 2021 से शुरू हुई थी। सुकेश ने जैकलिन को 10 करोड़ रुपए के गिफ्ट भी दिए। इनमें ज्वेलरी, डायमंड, 36 लाख की चार पर्शियन बिल्ली और 52 लाख का घोड़ा शामिल है। सुकेश जब जेल में था, तो वह फ़ोन पर जैकलिन से बात करता था।

जैकलीन पर आरोप

जांच एजेंसी ईडी की तरफ से दिल्ली की कोर्ट में कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर और बाकी अन्य के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई। इन पर 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप हैं। इस पूरी पिक्चर में जैकलीन का नाम तब सामने आया जब ईडी ने दावा किया कि सुकेश चंद्रशेखर और जैकलीन के बीच कुछ लेनदेन हुआ है। ईडी की तरफ से जैकलीन फर्नांडिस को इस मामले में कई बार नोटिस जारी किए गए लेकिन जैकलीन पेश नहीं हुईं। ईडी सूत्रों के अनुसार ईडी उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए दिल्ली लेकर जा सकती है। इस मामले में एक्टर नोरा फतेही का नाम भी शामिल है। सुकेश चंद्रशेखर के साथ उनके भी लिंक जोड़े गए थे।

'हमारी कार्रवाई की दुनिया ने की तारीफ'

अमित शाह ने सर्जिकल स्ट्राइक का किया जिक्र

जैसलमेर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि पुलवामा और उरी में हमलों के बाद सीमा पार हमले करने का 'कड़ा निर्णय' लेने के बाद मोदी सरकार ने दिखाया कि कोई भी भारत की सीमाओं और जवानों को हल्के में नहीं ले सकता है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर शाह ने यहां कहा कि मोदी सरकार के लिए, सीमा सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा है। शाह ने यहां शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस सरकार ने 2014 से सीमा सुरक्षा को एक अलग महत्व दिया है। अगर हमारी सीमाओं को लांघा गया या कहीं भी सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया गया, तो हमने तुरंत जवाब दिया। हमने दिखाया कि कोई भी हमारी सीमाओं और जवानों को हल्के में नहीं ले सकता है। बीएसएफ की स्थापना एक दिसंबर, 1965 को हुई थी, और यह पहली बार दिल्ली के बाहर और पाकिस्तान की सीमा से लगे इस रणनीतिक रेगिस्तानी शहर में अपना स्थापना दिवस समारोह आयोजित कर रहा है। परेड की सलामी लेने के बाद, शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने भारतीय सैनिकों पर पुलवामा (2019) और उरी हमलों (2016) के बाद हवाई हमला और सर्जिकल स्ट्राइक करने का 'कड़ा निर्णय' लिया। उन्होंने कहा कि हमारी कार्रवाई की दुनिया ने तारीफ की। शाह ने कहा कि उनका मानना है कि कोई भी देश तभी आगे बढ़ सकता है और समृद्ध हो सकता है, जब उसकी सीमाओं की रक्षा हो और बीएसएफ तथा अन्य सुरक्षा बल इस क्षेत्र में एक 'बढ़िया कार्य' कर रहे हैं।

देश की सीमाओं पर ड्रोन से हाल के खतरे के बारे में बात करते हुए, अमित शाह ने कहा कि सैनिकों की सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा के लिए सर्वोत्तम वैश्विक प्रौद्योगिकी प्रदान करने की सरकार ने प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि हम इस दिशा में काम कर रहे हैं, बीएसएफ, एनएसजी और डीआरडीओ संयुक्त रूप से स्वदेशी ड्रोन रोधी प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं और इसे जल्द ही सामने लाया जाएगा। शाह ने कहा कि सीमा पर अच्छा बुनियादी ढांचा विकसित करना स्वाभाविक रूप से सीमा सुरक्षा से जुड़ा है और उनकी सरकार ने दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ इन संपत्तियों का निर्माण करने का फैसला किया है।

गहलोत को सिर्फ सरकार गिरने का डर

गृहमंत्री अमित शाह ने जयपुर में जनप्रतिनिधि संकल्प महासम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पेट्रोल के दाम कर दिए, लेकिन गहलोत सरकार फिर भी कीमत कम करने को तैयार नहीं है। राजस्थान की गहलोत सरकार पर तंज कसते हुए शाह ने कहा कि गरीबों को राज्य में कोई सुविधा नहीं दी जा रही हैं। गहलोत सरकार केंद्र की योजनाओं के बीच में रोड़ा बनी हुई है। इन्हें हमेशा सरकार गिरने का डर लगा रहता है। शाह ने कहा कि भाजपा कभी सरकार नहीं गिराएगी। भाजपा 2023 में जनता के बीच जाकर प्रचंड बहुमत के साथ फिर से राजस्थान में सरकार बनाएगी।

चक्रवात जवादः ओडिशा में भारी बारिश

पश्चिम बंगाल में एनडीआरएफ की 18 टीमें तैनात

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात जवाद धीरे-धीरे कमजोर हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात अभी तीन से चार किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रहा है। ऐसे में तट से टकराने के बाद यह ज्यादा तबाही नहीं मचाएगा। चक्रवाती तूफान के कारण पुरी में भारी बारिश हो रही है। हालांकि तूफान के कमजोर पड़ने से नुकसान की संभावना कम है, लेकिन मौसम विभाग ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने पुरी के पास ओडिशा तट पर चक्रवाती तूफान जवाद के कारण भूस्खलन की संभावना जताई है। इसके चलते पश्चिम बंगाल में एनडीआरएफ की 18 टीमें तैनात की गई हैं।

इससे पहले भी ओडिशा, आंध्र प्रदेश और बंगाल के तटवर्ती इलाकों में दिन भर रुक-रुक कर बारिश होती रही और आसमान में बादल छाए रहे। विभाग ने इन इलाकों में बारिश की संभावना जताई है। बदले मौसम से तापमान में भी गिरावट आई है।

आज भारत आ रहे रूसी राष्ट्रपति पुतिन

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 6 दिसम्बर को एक बेहद छोटे मगर अहम दौरे पर भारत पहुंच रहे हैं। महज कुछ घंटों की इस यात्रा के दौरान जहां भारत और रूस के रिश्तों को आगे बढ़ाने की कोशिश होगी। वहीं ऊर्जा से लेकर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और हथियार उत्पादन क्षेत्र में करीब एक दर्जन करारनामे भी होंगे।

उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति पुतिन दोपहर बाद दिल्ली पहुंचेंगे और महज 6-7 घंटे के लिए भारत में होंगे। हालांकि इस दौरान दोनों मुल्कों के बीच विभिन्न स्तर पर सघन वार्ताओं का दौर होगा। इस कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन 21वें दौर की भारत-रूस शिखर वार्ता के लिए मिलेंगे।

अल सल्वाडोर का सैन्य विमान प्रशांत महासागर में दुर्घटनाग्रस्त

दो लोगों की मौत

एजेंसी, सैन सल्वाडोर (अल सल्वाडोर)। अल सल्वाडोर का एक सैन्य विमान बृहस्पतिवार को प्रशांत महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इस हादसे में देश के रक्षा मंत्री के बेटे समेत दो तीन लोगों की मौत होने की पुष्टि हुई है। सशस्त्र बलों ने बताया कि विमान में तीन लोग सवार थे, जिनमें से दो लोगों के शव बरामद कर लिए गए है और तीसरे व्यक्ति की तलाश जारी है। जिन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, उनमें चालक दल का एक सदस्य और रक्षा मंत्री फ्रांसिस रेने मेरिनो मोनरॉय के पुत्र गेरार्डो मेरिनो शामिल थे। सशस्त्र बलों ने यह नहीं बताया कि गेरार्डो मेरिनो विमान में सवार क्यों थे। उन्होंने केवल इतना बताया कि विमान ''तटीय इलाके में एक मिशन पर गया था'', तभी वह हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना तट से लगभग तीन समुद्री मील की दूरी पर हुई और खोज के प्रयास में मदद के लिए नावों और विमानों को भेजा गया। राष्ट्रपति नायिब बुकेले ने रक्षा मंत्री के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं।

पीएलए को अमेरिकी के टक्कर की आधुनिक फौज बनाने में जुटे जिनपिंग

कॉम्बैट यूनिट में 3 लाख अतिरिक्त सैनिक होंगे शामिल

एजेंसी, चीन की सेना पीएलए यानी पीपुल्स लिबरेशन ऑफआर्मी ने अपने फ्रंट लाइन के सैनिकों की संख्या में इजाफा किया है। चीन के लाल सुल्तान की मंशा है कि आने वाले समय में युद्ध में मिलने वाली चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए पीएलए सैनिक मजबूत स्थिति में रहे।

जिनपिंग की सेना की ये कवायद पिछले एक सालों से चल रही नीति का हिस्सा है जिसके तहत पूरे पीएलए को बेहतर ढंग से व्यवस्थित किया जा रहा है। चीन में इसको लेकर एक किताब भी प्रकाशित हुई है जिसमें इस किताब के लेखक रॉन्ग शिन का कहना है कि ये बदलाव राष्ट्रपति शी जिनपिंग के उन सुधारों का हिस्सा है जिनके अंतर्गत पीएलए में तीन लाख कर्मियों की कटौती की गई है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सशस्त्र बलों के तेजी से आधुनिकीकरण का समर्थन करने

और भविष्य के युद्ध जीतने के लिए नई प्रतिभाओं की भर्ती करने की आवश्यकता पर बल दिया है। शी ने आयोजित सैन्य प्रतिभा-संबंधित कार्यों पर एक सम्मेलन में कहा कि चीनी सशस्त्र बलों के उच्च-गुणवत्ता वाले विकास को आगे बढ़ाने, सैन्य प्रतियोगिता में जीत हासिल करने और भविष्य के युद्धों में अपर हैंड हासिल करने की कुंजी है। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के महासचिव होने के अलावा, शी केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के प्रमुख हैं। शी जिनपिंग ने कहा कि लड़ने और जीतने की क्षमताओं को मजबूत करना सैन्य प्रतिभा की खेती का प्रारंभिक बिंदु और अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। जिनपिंग ने कि सैन्य कर्मियों की वैज्ञानिक साक्षरता और तकनीकी जानकारी को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक युद्ध जीतने की उनकी क्षमता में सुधार करने के लिए महान प्रयास का आह्वान किया। 950 के दशक में कोरियन युद्ध के दौरान पीएलए में लगभग 60 लाख कर्मी हुआ करते थे। लेकिन ताजा कटौती के बाद पीएलए के सैनिकों की संख्या लगभग 20 लाख रह गई है। इसके परिणाम स्वरूप पीएलए अब फौज को इस प्रकार से व्यवस्थित कर रही है कि चीनी सेना में काम करने वाले सैनिकों का सबसे बेहतर लाभ पीएलए को मिल सके। पीएलए हवाई टुकड़ी इकाइयों को डिवीजन-स्तर से ब्रिगेड में अपग्रेड किया गया था, जबकि जे -20, जे -16 एस, जे -10 सी जैसे अधिक नई पीढ़ी के लड़ाकू जेट का समर्थन करने के लिए पायलटों की संख्या भी बढ़ाई गई। रॉन्ग शिन का कहना है कि शी जिनपिंग का लक्ष्य 2027 तक पीएलए को एक आधुनिक लड़ाकू बल, पीएलए की शताब्दी और 2050 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर एक विश्व स्तरीय सेना में बदलना है।

सिंगापुर में दक्षिणअफ्रीका से आए दो यात्रियों के 'ओमीक्रोन' से संक्रमित होने की आशंका

एजेंसी, सिंगापुर। सिंगापुर में दक्षिण अफ्रीका से आए दो यात्रियों की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर उनके कोविड-19 के नए स्वरूप ओमीक्रोन से संक्रमित होने की आशंका है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 'सिंगापुर एयरलाइंस' (एसआईए) की उड़ान संख्या एसक्यू479 से दक्षिण अफ्रीका से सिंगापुर आए दो यात्री बुधवार को ओमीक्रोन से ''प्रारंभिक रूप से संक्रमित'' पाए गए हैं। 'चौनल न्यूज एशिया' ने मंत्रालय के हवाले से कहा, ''संक्रमित पाए गए दोनों व्यक्तियों को एक दिसंबर को सिंगापुर पहुंचने के बाद पृथक-वास में भेज दिया गया था और वे किसी से संपर्क में नहीं आए।'' मंत्रालय ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग से यहां आए दोनों यात्री राष्ट्रीय संक्रामक रोग केंद्र (एनसीआईडी) के पृथक-वास वार्ड में हैं और उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। दोनों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है और उन्हें ''खांसी और गले में खराश जैसे हल्के लक्षण हैं।'' संक्रमित पाया गया पहला व्यक्ति 44 वर्षीय सिंगापुरी नागरिक है, जो जोहानिसबर्ग होते हुए मोजाम्बिक से यहां आया था। दूसरी संक्रमित 41 वर्षीय सिंगापुरी महिला है, जो दक्षिण अफ्रीका से यहां आई थीं। यात्रा शुरू करने से पहले दोनों की जांच रिपोर्ट में उनके संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हुई थी। सिंगापुर पहुंचने पर इन दोनों की पीसीआर जांच कराई गई थी, जिसमें उनके संक्रमित पाए जाने की पुष्टि होने पर उन्हें एनसीआईडी ले जाया गया। मंत्रालय ने कहा, ''उनकी पीसीआर जांच रिपोर्ट में एस-जीन टार्गेट फेलियर की मौजूदगी का पता चला, जिसका संबंध ओमीक्रोन से होने की आशंका है। राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, ओमीक्रोन के संक्रमण की पुष्टि के लिए पूर्ण जीनोम अनुक्रमण कर रही है।

डब्ल्यूएचओ ने दक्षिण अफ्रीका में ओमीक्रोन स्वरूप से निपटने के लिए दल नियुक्त किया

कोविड-19 के ओमीक्रोन और डेल्टा स्वरूप ने पाबंदियों का दौर फिर से शुरू किया

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के केंद्र रहे इस देश के गौतेंग प्रांत में निगरानी के उपायों में तेजी लाने और वायरस के संपर्क में आए लोगों की पहचान के लिए अधिकारियों का एक दल भेजा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ताजा दैनिक आंकड़ों में संक्रमण के 11,500 नए मामले दर्ज किए गए हैं और इससे पहले संक्रमितों की संख्या में 8,500 मामलों की वृद्धि देखी गई थी। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले मध्य नवंबर में रोजाना 200 और 300 के बीच संक्रमण के मामले रहते थे। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, ओमीक्रोन का मामला पहली बार दक्षिण अफ्रीका में ठीक एक हफ्ते पहले आया था जो अब दुनिया भर के कम से कम 24 देशों में सामने आ चुका है। डब्ल्यूएचओ के अफ्रीका के क्षेत्रीय आपातकालीन

निदेशक डॉ. सलाम गुए ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम निगरानी और संपर्क में आए लोगों की जांच में सहयोग करने के लिए गौतेंग प्रांत में एक दल तैनात कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि एक दल पहले से ही दक्षिण अफ्रीका में जीनोमिक अनुक्रमण पर काम कर रहा है। गौतेंग प्रांत दक्षिण अफ्रीका का आर्थिक केंद्र है और वहां पिछले एक सप्ताह में लगभग 80 प्रतिशत संक्रमण के मामले आए हैं। संक्रामक रोग के लिए संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कम्युनिकेबल डिजीज (एनआईसीडी) ने कहा कि लगभग 75 प्रतिशत नमूनों में नए स्वरूप की पुष्टि हुई है। डब्ल्यूएचओ के अफ्रीका के निदेशक डॉ. मात्शिदिसो मोएती ने बृहस्पतिवार को कहा कि देशों को ''कोविड-19 के प्रति सतर्क रहना चाहिए और पूरे अफ्रीका में इसे व्यापक रूप से फैलने से रोकना चाहिए।'' गौतेंग के प्रधानमंत्री डेविड मखुरा ने एक अलग संवाददाता सम्मेलन में पुष्टि की प्रांत चौथी लहर के मुहाने पर है। दक्षिण अफ्रीकी सरकार के एक मंत्री ने देश की संसद को बताया है कि टीके का विरोध करने वाले वैसे लोग जो लोग कोविड-19 का टीका नहीं लगवाना चाहते हैं, उनके अधिकार टीका लगवाने के इच्छुक लोगों के अधिकारों पर हावी हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के उप स्वास्थ्य मंत्री डॉ सिबोंगिसेनी ध्लोमो ने बुधवार को कहा, ''एक सामूहिक अधिकार एक व्यक्ति के अधिकार से श्रेष्ठ हो जाता है। इसलिए यदि आप चाहें तो हम आपको घर पर रहने से इनकार नहीं करेंगे। अगर आप टीके का विरोध करते हैं तो आप उन 10 अन्य लोगों की टैक्सी में जबरन नहीं बैठ सकते जिन्होंने टीकाकरण कराया है। लेकिन वास्तव में यह कहना मूर्खता होगी कि आप टीके का विरोध करते हैं लेकिन टीका ले चुके लोगों के साथ यात्रा करना चाहते हैं।'' वह संसद के उन कुछ सदस्यों की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जो इस बात पर अड़े थे कि टीकाकरण नहीं कराने वाले नागरिकों को कार्यस्थलों और सार्वजनिक कार्यक्रमों तक पहुंच से रोककर और अनिवार्य टीकाकरण की जांच के लिए एक कार्य बल नियुक्त करने के सरकार के फैसले से ऐसे लोगों के अधिकार को कुचला जा रहा है। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए यह घोषणा की थी और कहा था कि उप राष्ट्रपति डेविड माबुजा इस दल का नेतृत्व करेंगे। यूनान में टीकाकरण कराने से इनकार कर रहे 60 साल से अधिक उम्र के लोगों के खिलाफ मासिक जुर्माना लग सकता है और इससे उनकी पेंशन की एक-तिहाई राशि कट सकती है। नेताओं का कहना है कि इस कठोर नीति से वोट घटेंगे, लेकिन लोगों की जान बचाने में मदद मिलेगी।

इजराइल में ओमीक्रोन स्वरूप के संभावित वाहकों का पता राष्ट्र की घरेलू सुरक्षा एजेंसी लगाएगी जो वहां की सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अवज्ञा प्रतीत हो रही है। नीदरलैंड में लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों के खिलाफ सप्ताहिक प्रतिबंधों ने हिंसक रूप ले लिया है। यूरोप में डेल्टा स्वरूप के मामले बढ़ने और ओमीक्रोन स्वरूप को लेकर डर बढ़ने के साथ विश्व भर की सरकारें नये उपाय अपना रही है। यूनान में 60 वर्ष से अधिक आयु के करीब 17 प्रतिशत लोगों को टीका नहीं लगा है। प्रधानमंत्री कैरियाकोस मित्सोताकिस ने बुधवार को कहा, ''मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि इस उपाय से चुनावों में कुछ अतिरिक्त वोट कट जाएंगे।'' दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरील रामफोसा देश के नागरिकों से टीका लगवाने की अपील कर रहे हैं। जर्मनी ने ऑस्ट्रिया का अनुकरण करते हुए बृहस्पतिवार को सख्त पाबंदियां लागू कर दी। जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा कि ये उपाय जरूरी हैं क्योंकि अस्पतालों पर बोझ बढ़ रहा है। संक्रमण के मामले 24 घंटे में 70,000 पहुंच गये हैं। वहीं, स्लोवाकिया सरकार 60 वर्ष और उसे अधिक आयु के लोगों को टीकाकरण कराने पर पर 500 यूरो (568 डॉलर) देने की पेशकश कर रही है।

पाकिस्तान में लिंचिंग के शिकार हुए श्रीलंकाई नागरिक की दुखी पत्नी ने लगाई इंसाफ की गुहार

कोलंबो, एजेंसी। पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप में पीट-पीटकर मार दिए गए श्रीलंकाई नागरिक प्रियंता कुमारा दियावदाना की पत्नी ने पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों सरकारों से न्याय की गुहार लगाई और कहा कि उनका पति निर्दोष व्यक्ति था। शुक्रवार को कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के नाराज समर्थकों ने एक कपड़ा कारखाने पर हमला किया और ईशनिंदा के आरोपों पर उसके महाप्रबंधक दियावदाना की पीट-पीट कर हत्या कर दी और शव को आग लगा दी थी। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पाकिस्तानी सरकार पर दबाव बढ़ने के बीच, 800 से अधिक लोगों पर आतंकवाद के आरोप में मामला दर्ज किया गया है, जबकि पंजाब प्रांत में अब तक गिरफ्तार किए गए 118 लोगों में से 13 प्रमुख संदिग्ध हैं। बीबीसी सिन्हाला ने मृतक की पत्नी के हवाले से कहा, मुझे अपने पति की निर्मम हत्या के बारे में खबरों से पता चला, बाद में मैंने इसे इंटरनेट पर भी देखा। वह बहुत ही मासूम इंसान थे। उन्होंने कहा, मैं श्रीलंका और पाकिस्तान के नेताओं से अनुरोध करती हूं कि अपराधियों को कानून के दायरे में लाकर मेरे पति और दो बच्चों को न्याय दिलाएं। श्रीलंका की न्यूज वायर वेबसाइट ने बताया कि मंत्री नमल राजपक्षे और प्रसन्ना राणातुंगा शनिवार को यहां से करीब 22 किलोमीटर दूर गनेमुल्ला में दियावदाना के आवास पर पहुंचे। इस बीच, पाकिस्तान में श्रीलंका के उच्चायुक्त वाइस एडमिरल मोहन विजेविक्रमा ने कहा कि सोमवार को दीयावदाना के पार्थिव शरीर को लाहौर से कोलंबो ले जाने के लिए एक विशेष उड़ान की व्यवस्था की जा रही है। श्रीलंकाई संसद और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने शनिवार को घटना की निंदा की और आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री इमरान खान इसमें शामिल सभी लोगों को न्याय के कठघरे में लाने और द्वीप राष्ट्र के बाकी प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे।

अफगान प्रांतों में चोरी के गिरोह का सरगना मारा गया, 8 लुटेरे गिरफ्तार

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के दो प्रांतों में कई हाई-प्रोफाइल अपराधों और चोरी के गिरोह के एक सरगना को मार गिराया गया और 8 हथियारबंद लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। देश की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी ने एक बयान में कहा, पूर्वी नंगरहार प्रांत में, खुफिया महानिदेशालय (जीडीआई) के विशेष बलों ने शनिवार को एक चोरी और अपहरण गिरोह के खिलाफ एक अभियान चलाया।

जीडीआई के अनुसार, मैवंड के रूप में पहचाने जाने वाले कुख्यात गिरोह के नेता को सुरक्षा बलों के साथ काम करने के बाद मार दिया गया था और एक संदिग्ध व्यक्ति को ऑपरेशन के बाद गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिका आने वाले सभी यात्रियों को दिखानी होगी 'नेगेटिव' जांच रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अमेरिका ने भारत समेत अन्य देशों से यहां आने वाले सभी यात्रियों के लिए कोविड-19 की 'नेगेटिव' जांच रिपोर्ट साथ लाना या संक्रमण से उबरने का सबूत लाना अनिवार्य बना दिया है। यह नया नियम छह दिसंबर से प्रभाव में आएगा। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के तहत आने वाले रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने यह जानकारी दी। भारत सरकार के अधिकारियों ने शनिवार को यहां भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेताओं को सूचित किया, ''यह संशोधित आदेश, अमेरिका के लिए विमान में सवार होने जा रहे दो वर्ष या अधिक आयु के लोगों के लिए कोविड-19 जांच को आवश्यक बनाता है।'' किसी भी देश से अमेरिका के लिए रवाना होने वाले विमानों के लिए जारी इस नए संशोधित आदेश के मुताबिक यात्रियों को यात्रा से अधिकतम एक दिन पहले की 'नेगेटिव' जांच रिपोर्ट दिखानी होगी अथवा उन्हें यात्रा से 90 दिन पहले कोविड-19 से उबरने

- यह नया नियम छह दिसंबर से प्रभाव में आएगा
- एक दिन पहले की 'नेगेटिव' जांच रिपोर्ट दिखानी होगी

का प्रमाण दिखाना होगा। अमेरिका के न्यूयॉर्क में शनिवार को ओमीक्रोन संक्रमण के तीन और मामले सामने आए और इसी के साथ राज्य में कोरोना वायरस के नए स्वरूप से संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर आठ हो गई। इसके अलावा अमेरिका में उन राज्यों की संख्या बढ़ गई है, जहां ओमीक्रोन संक्रमण के पहले मामले सामने आए हैं। न्यूयॉर्क स्वास्थ्य आयुक्त मैरी बैसेट ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा, ''ओमीक्रोन संक्रमण यहां फैल गया है और जैसी कि आशंका थी, अब समुदाय में इसका संक्रमण फैलता देख रहे हैं।'' अमेरिका के मैसाच्युसेट्स और वाशिंगटन में शनिवार को पहली बार ओमीक्रोन संक्रमण के मामले पाए गए। इससे एक दिन पहले न्यू जर्सी, जॉर्जिया, पेंसिल्वेनिया और मैरीलैंड में शुक्रवार को पहली बार कोविड-19 के इस स्वरूप से संक्रमण के मामले सामने आए थे।

पोप फ्रांसिस ने शरणार्थी समस्या को लेकर यूरोपीय देशों की सरकारों की आलोचना की

लेसबोस (यूनान), एजेंसी। पोप फ्रांसिस ने प्रवासियों और शरणार्थियों की समस्या से निपटने में यूरोपीय देशों की सरकारों की कथित नाकामी को लेकर उनकी आलोचना की है। पोप फ्रांसिस (84) रविवार को यूनान के लेसबोस द्वीप पहुंचे जहां वह करीब दो घंटे तक रुकेंगे। इस दौरान पोप प्रवासियों और शरणार्थियों के एक केंद्र का दौरा करेंगे। लेसबोस द्वीप प्रवासियों और शरणार्थियों का गढ़ माना जाता है, यहां से लोग विभिन्न यूरोपीय देशों में दाखिल होने की कोशिश करते हैं। वर्ष 2016 में अपनी यात्रा के दौरान पोप 12 सीरियाई मुस्लिम शरणार्थियों को अपने साथ लाए थे। पोप इस समय साइप्रस और यूनान की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं।

इन दोनों ही देशों में शरणार्थी संकट काफी गहरा गया है। गौरतलब है कि इराक और सीरिया में गृह युद्ध जैसे हालात के कारण 2015 तथा 2016 के दौरान 10 लाख से अधिक लोगों ने तुर्की से होते हुए यूनान में प्रवेश किया था।

यूक्रेन को लेकर बढ़े तनाव के बीच बाइडन, पुतिन करेंगे बात

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन की सीमा पर रूसी बलों की मौजूदगी बढ़ने के कारण अमेरिका और रूस के बीच बढ़े तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत करेंगे। व्हाइट हाउस और क्रेमलिन ने इस बात की पुष्टि की है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शनिवार को कहा कि बाइडन सीमा पर रूसी सैन्य गतिविधियों को लेकर अमेरिका की चिंता व्यक्त करेंगे और ''यूक्रेन की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के लिए अमेरिकी सहयोग की पुन- पुष्टि'' करेंगे।

वहीं, पुतिन इस बातचीत के दौरान अपनी चिंताएं व्यक्त करेंगे और उनका नाटो सैन्य गठबंधन में यूक्रेन को शामिल करने के हर प्रकार के कदम को लेकर विरोध प्रकट करने का इरादा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि दोनों देशों के राष्ट्रपति ''स्वयं फैसला करेंगे'' कि वार्ता कितनी लंबी चलेगी। इससे पहले, दोनों नेताओं के बीच वार्ता जुलाई में हुई थी। उस समय बाइडन ने अमेरिका के खिलाफ रैनसमवेयर हमले करने वाले रूसी आपराधिक हैकिंग गिरोहों पर लगाम लगाने के लिए पुतिन पर दबाव डाला था। रूस इस बात का

दबाव बना रहा है कि अमेरिका यूक्रेन को नाटो में शामिल नहीं किए जाने की गारंटी दे, लेकिन नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने पिछले सप्ताह कहा था कि यदि अन्य देश या गठबंधन विस्तार करना चाहते हैं, तो रूस का इससे कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए।

बाडइन प्रशासन के एक अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने पता लगाया है कि रूस ने यूक्रेन के साथ लगती सीमा पर करीब 70 हजार सैनिकों की तैनाती की है और अगले वर्ष की शुरुआत में उसने संभावित आक्रमण की योजना बनाई है। अमेरिका के अधिकारियों और पूर्व अमेरिकी राजनयिकों का कहना है कि रूस के राष्ट्रपति जहां संभावित आक्रमण की तैयारियां कर रहे हैं, वहीं यूक्रेन की सेना पहले की तुलना में ज्यादा हथियारबंद एवं तैयार है और पश्चिमी देशों द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने से रूस की अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि रूस अगले महीने आक्रमण कर सकता है। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने कहा कि यूक्रेन और क्रीमिया के पास रूस के सैनिकों की अनुमानित संख्या 94,300 है और उन्होंने चेतावनी दी कि जनवरी में युद्ध भड़क सकता है। क्रेमलिन ने शुक्रवार को कहा कि बाइडन के साथ फोन पर बातचीत में पुतिन इस बात की गारंटी चाहेंगे कि यूक्रेन को नाटो के विस्तार में शामिल नहीं किया जाए। यदि रूस यूक्रेन पर हमला करता है, तो बाइडन प्रशासन के पास रूस को वित्तीय नुकसान पहुंचाने के अपने संकल्प को पूरा करने के कई विकल्प हैं, जिनमें पुतिन के सहयोगियों को लक्ष्य बनाने वाले प्रतिबंध लागू करने से लेकर दुनियाभर में धन प्रवाहित करने वाली वित्तीय प्रणाली से रूस को काटना शामिल है।

अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने यूक्रेन पर रूसी हमले की स्थिति में कोई सैन्य कदम उठाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन वे उसे वित्तीय नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस सप्ताह कहा था, ''हम अत्यधिक प्रभावित करने वाले वे वित्तीय कदम उठाएंगे, जिन्हें हम अतीत में उठाने से बचते रहे हैं।'' बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए यूक्रेन में सैन्य कार्रवाई को ÷बेहद कठिन÷ बनाने का शुक्रवार को संकल्प लिया था और कहा था कि उनका प्रशासन रूस के आक्रमण को रोकने के लिए व्यापक कदम उठा रहा है। बाइडन ने कहा था कि वह व्यापक और सार्थक कदम उठा रहे हैं जिससे पुतिन के लिए आगे बढ़ना और लोगों को चिंतित करने वाले कदम उठाना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

थेस्पियन सोसाइटी के राज उपाध्याय द्वारा निर्देशित नाटक 'गांधी तुम जिंदा हो' का मंचन

नई दिल्ली। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति थेस्पियन सोसाइटी के सहयोग से रविवार, 5 दिसंबर, 2021 को गांधी स्मृति, 5 तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली - 110011 में ÷गांधी तुम जिंदा हो÷ नाटक का मंचन कर रही है ।

जाने-माने रंगमंच से जुड़े हुए श्री राज उपाध्याय द्वारा निर्देशित यह नाटक, इतिहास से ले कर विभाजन से अध्यायों को जोड़ता है ढ्ढ यह अहिंसा और सद्भाव पर महात्मा गांधी के आदर्शों पर केंद्रित नाटक है ।

नाटक का दृष्टिकोण युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना को आत्मसात करना है जिसने महात्मा गांधी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को देश की सेवा के बड़े उद्देश्य के लिए प्रेरित किया। यह नाटक स्वतंत्रता के बाद के युग में गांधी की प्रासंगिकता को विभिन्न रंगों में प्रदर्शित करता है और इस अवसर के लिए उपयुक्त है क्योंकि यह आज के युवाओं और महात्मा के आदर्शों के बीच एक सेतु का निर्माण करता है। शांति के आदर्श पर ध्यान केंद्रित करने वाला यह कार्य 21वीं सदी में गांधीवादी दर्शन की प्रासंगिकता का उदाहरण है और दुनिया भर में भारतीयों को बांध सकता है।

इस अवसर पर माननीय संसाद, राज्य सभा एवं पद्म विभूषण सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित डॉ. सोनल मानसिंह मुख्य अतिथि होंगी। महामहिम, श्री मुहम्मद इमरान, भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त, विशिष्ट अतिथि हैं।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान में गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष श्री विजय गोयल और निदेशक समिति, श्री दीपांकर श्री ज्ञान भी मौजूद रहेंगे। आपसे अनुरोध है कि शांति और अहिंसा के महात्मा गांधी के शाश्वत जीवन के संदेश और दर्शन को समर्पित इस विशेष नाटक को कवर करने के लिए कृपया अपने रिपोर्टर और फोटोग्राफर और कैमरा crew को भेजने की कृपा करें। आपके सहयोग के अपेक्षा है ।

वायु प्रदूषण से निपटने को दिल्ली मेट्रो ने बनाया बड़ा प्लान

बढ़ाई जाएगी एंटी-स्मॉग गन की तैनाती

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या लगातार बढ़ती ही जा रही है, जिसको देखते हुए दिल्ली मेट्रो ने अपने परियोजना स्थलों पर और अधिक एंटी-स्मॉग गन लगाने की योजना बनाई है।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। दिल्ली मेट्रो ने अपने निर्माण स्थलों पर प्रदूषण को कम करने के लिए पहले से ही 14 एंटी-स्मॉग गन को तैनात किया है जो निर्माण कार्य से निकलने वाले धूल के कणों के प्रदूषण को कम करने के लिए नियमित अंतराल पर अच्छी धुंध फेंकती हैं। ये एंटी-स्मॉग गन (एएसजी) पहले भी कुछ समय के लिए लगाई गई थीं। दिल्ली और उसके आस-पास के शहरों में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए अधिकारियों के निर्देश पर राष्ट्रीय राजधानी में फिलहाल निर्माण गतिविधियां रोक दी गई हैं। डीएमआरसी के कॉरपोरेट संचार के कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा, वर्तमान में, गैर-प्रदूषणकारी प्रकृति के निर्माण कार्यों के अलावा सभी प्रकार के निर्माण कार्यों को निर्देशों के अनुपालन में रोक दिया गया है। उन्होंने कहा, जबकि डीएमआरसी समय-समय पर जारी किए जा रहे प्रदूषण संबंधी सभी निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित कर रहा है, यह एंटी स्मॉग गन प्रदूषण से निपटने के लिए एक स्थायी उपाय के रूप में स्थापित की गई हैं और साल भर निर्माणस्थलों पर कार्यरत रहती हैं।

दिल्ली विधानसभा परिसर में बनेगा कोरोना योद्धा स्मारक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा परिसर में डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ, सफाई कर्मचारियों और शिक्षकों सहित कोरोना योद्धाओं के सम्मान में एक स्मारक का निर्माण किया जाएगा। रविवार को विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल कहा कि यह 'कोरोना योद्धाओं के सर्वोच्च बलिदान और उल्लेखनीय कार्यों का सम्मान होगा। उनका कहना था कि इस स्मारक के अगले डेढ़ माह के भीतर 26 जनवरी 2022 तक बनकर तैयार हो जाने की संभावना है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि ड्यूटी के दौरान कोविड-19 के कारण कई डॉक्टरों, नर्सों, सफाई कर्मचारियों और अन्य लोगों की मौत हो गई थी। ऐसे लोगों ने महामारी से मानव जाति को बचाने के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। इसलिए उनके सम्मान में हम दिल्ली विधानसभा में एक स्मारक का निर्माण करेंगे। कोरोना योद्धाओं के कर्तव्य और सर्वोच्च बलिदान की जानकारी वाला एक शिलालेख भी लगाया जाएगा। इस शिलालेख पर कोरोना योद्धाओं से संबंधित कुछ प्रतीक और चिह्न (आला, झाड़ू, सीरींज आदि) भी उकेरे जाएंगे।

संसद टीवी के एंकर पद से प्रियंका चतुर्वेदी का इस्तीफा

राज्यसभा से निलंबन के बाद उठाया यह कदम

नई दिल्ली/ एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र से विपक्ष के 12 सांसद निलंबित हैं। जिन सांसदों को निलंबित किया गया है उनमें शिवसेना के प्रियंका चतुर्वेदी भी हैं। प्रियंका चतुर्वेदी लगातार अपने निलंबन का विरोध कर रही हैं। इन सब के बीच उन्होंने बड़ा कदम उठाया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्यसभा से निलंबन के बाद संसद टीवी के एक शो के लिए एंकर पद से भी इस्तीफा दे दिया है। इसको लेकर प्रियंका चतुर्वेदी ने राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू को भी पत्र लिखा है। अपने इस्तीफे का कारण बताते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने मैं ऐसी जगह रहने को तैयार नहीं हूं जहां मेरे प्राथमिक अधिकार ही छीन जा रहे हैं।

केजरीवाल का दांव

सरकार बनी तो मिलेगी मुफ्त बिजली और महिलाओं को हर माह ढाई हज़ार

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को गोवा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यहां उनकी सरकार बनने पर वे 18 साल से ऊपर की हर महिला के बैंक खाते में हर महीने एक हजार रुपये भेजेंगे। केजरीवाल ने यहां कहा कि महिला शक्तिकरण के मामले में यह दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए गृह आधार लाभ को 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया जाएगा।

केजरीवाल वयस्क महिलाओं के बैंक खातों में हर महीने एक हजार रुपये भेजने की घोषणा हाल ही में पंजाब में भी कर चुके हैं। अगले साल पंजाब, गोवा, उत्तराखंड, यूपी आदि राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

दिल्ली में ओमिक्रोन का मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

'मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें'

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का पहला मामला सामने आया है। ओमिक्रॉन वेरिएंट से संक्रमित मरीज को लोक नायक अस्पताल में आइसोलेट किया गया है, जहां उसे बेहतर इलाज दिया जा रहा है। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि विदेशों से दिल्ली आए लोगों में से 17 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। 12 लोगों के सैंपल की जीनोम सिक्वेन्सिंग जांच की गई है, इसमें एक व्यक्ति में ओमिक्रॉन वेरिएंट की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। ओमिक्रॉन भी कोरोना का ही एक वेरिएंट है और इसके इलाज़ व बचाव का प्रोटोकॉल भी पहले की तरह ही है। दिल्ली सरकार पूरी तरह से तैयार है और जरूरत पड़ने पर लोकनायक अस्पताल में तत्काल 500 बेड चालू किए जा सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मांग मान लेनी चाहिए और ओमिक्रॉन वेरिएंट से प्रभावित सभी देशों से आने वाली फ्लाइट्स को जल्द से जल्द बंद कर देना चाहिए। दिल्ली के लोगो से अपील है कि सभी लोग सावधानी बरतें, मास्क लगाएं, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और जल्द से जल्द टीकाकरण करवाएं।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन ने आज सुबह एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दिल्ली में कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट का पहला मामला सामने आया है। दिल्ली सरकार ओमिक्रॉन वेरिएंट से प्रभावित देशों से आने वाले सभी लोगों की जांच करवा रही है। अभी तक इनमे से 17 मामले कोरोना से संक्रमित सामने आए हैं और इन सभी मरीजों को दिल्ली के लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही इन 17 लोगों के संपर्क में आने वाले 6 लोगो को भी अस्पताल में भर्ती किया गया है और उनकी जांच कराई जा रही है।

कोरोना से संक्रमित सभी 17 लोगो के सैंपल की जीनोम सिक्वेन्सिंग कराई गई है, जिससे कि इनमे कोरोना के नए वारिएंट 'ओमिक्रॉन' है या नहीं, इसकी पुष्टि की जा सके। अभी तक 12 सैंपलों की जीनोम सिक्वेन्सिंग की जा चुकी है, जिनमें से शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार एक व्यक्ति में ओमिक्रॉन वेरिएंट मिलने की पुष्टि हुई है।

ओमिक्रॉन वेरिएंट से संक्रमित यह व्यक्ति तंजानिया से दिल्ली आया था। वहीं, अन्य 11 लोग कोरोना संक्रमित हैं, लेकिन उनमे नया वेरिएंट ओमिक्रॉन नहीं पाया गया है। इन सभी मरीजों का लोक नायक अस्पताल में बेहतर इलाज़ दिया जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना का ओमिक्रॉन वेरिएंट मिलने का यह पहला केस है।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली के लोगो से अपील करते हुए कहा कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। ओमिक्रॉन कोई नई बीमारी नहीं है, बल्कि कोरोना वायरस का ही एक वेरिएंट है। इसके लक्षण भी लगभग कोरोना के सभी वेरिएंट के जैसे ही हैं। इसके इलाज़ का प्रोटोकॉल और इससे बचाव का प्रोटोकॉल भी पहले की तरह ही है। ओमिक्रॉन वेरिएंट के मरीज़ का इलाज़ भी वैसे ही किया जाता है, जैसे कोरोना के अन्य वेरिएंट के मरीजों का किया जाता है। इसलिए घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है, सिर्फ सावधानी बरतने कि जरूरत है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कोरोना के मामले कम होते देख लोगो ने कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करना कम कर दिया है, लेकिन अभी वो समय है, जब सभी को सबसे ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। जिन लोगों ने अभी तक वैक्सीन नहीं ली है, उन्हे जल्द से जल्द वैक्सीन लगवा लेनी चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि कोरोना के नए वेरिएंट के आने से पहले ही दिल्ली सरकार ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली थी। इस वाइरस का सामना करने के लिए दिल्ली सरकार ने लोकनायक अस्पताल में 40 आईसोलेशन वार्ड बनाए हैं। साथ ही, ऐसी व्यवस्था की गई है कि जरूरत पड़ने पर 500 बेड तत्काल चालू किए जा सकते हैं।

केंद्र सरकार द्वारा ओमिक्रॉन वेरिएंट से प्रभावित सभी देशों से आने वाली फ्लाइट को बंद न करने के फैसले पर स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन कहा कि यह बहुत दुखद है। देश में अभी तक 5 नए मामले सामने आ चुके हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिख कर इन देशो से आने वाली फ्लाइट को कुछ समय तक बंद करने की अपील की थी, लेकिन केंद्र सरकार ने ऐसा नहीं किया। विदेशों से हमारे देश में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सबसे ज्यादा फ्लाइट्स आती हैं। इसलिए दिल्ली को इससे सबसे ज्यादा खतरा है। केंद्र सरकार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मांग मान लेनी चाहिए और ओमिक्रॉन वेरिएंट से प्रभावित सभी देशों से आने वाली फ्लाइट को जल्द से जल्द बंद कर देना चाहिए।

दहेज की बाइक में पति ने लगाई आग

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर में दहेज की बाइक में आग लगाने पर महिला ने पति के खिलाफ शुक्रवार को केस दर्ज कराया। न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। 35 वर्षीय पीड़िता माता-पिता के साथ न्यू उस्मानपुर में रहती है। उसकी शादी वेलकम के युवक से हुई है। पति-पत्नी में विवाद चल रहा है। पीड़िता ने इसी साल पति के खिलाफ वेलकम थाने में सामूहिक दुष्कर्म, छेड़छाड़, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने सहित कई अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया था, जिसकी जांच चल रही है। इस बीच पीड़िता ने पति से दहेज में दी गई बाइक भी मांग ली। आरोप है कि महिला 20 नवंबर की रात घर में सो रही थी, तभी बाहर खड़ी बाइक में आग लग गई। हालांकि उस वक्त आग लगने की वजह पता नहीं चल सकी।

आरोप है कि महिला 20 नवंबर की रात घर में सो रही थी, तभी बाहर खड़ी बाइक में आग लग गई। हालांकि उस वक्त आग लगने की वजह पता नहीं चल सकी।

लेकिन बाद में जब उसने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की तो पति बाइक में आग लगाते हुए दिखाई दिया। पीड़िता की शिकायत पर न्यू उस्मानपुर थाने की पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

भारतीय रोहिल्ला राजपूत क्षत्रिय

पौराणिक कथाओं में कभी कभी
ऐसे प्रसङ्ग सामने आते हैं
जिसे पढ़ते हुए हृदय गदगद हो जाता है ।

एक बार गणेश जी ने भगवान शिव जी से कहा,
पिता जी ! आप यह चिता भस्म लगा कर,
मुण्डमाला धारण कर अच्छे नहीं लगते,
मेरी माता गौरी अपूर्व सुन्दरी और
आप उनके साथ इस भयङ्कर रूप में !

पिता जी ! आप एक बार कृपा कर के
अपने सुन्दर रूप में माता के सम्मुख आयें,
जिससे हम आपका असली स्वरूप देख सकें !

भगवान शिव जी मुस्कुराये और
गणेश की बात मान ली !

कुछ समय बाद जब
शिव जी स्नान कर के लौटे तो
उनके शरीर पर भस्म नहीं थी,
बिखरी जटाएँ सँवरी हुई
मुण्ड माला उतरी हुई थी !

सभी देवी-देवता, यक्ष, गन्धर्व, शिवगण
उन्हें अपलक देखते रह गये,
वो ऐसा रूप था कि
मोहिनी अवतार रूप भी फीका पड़ जाए !

भगवान शिव ने
अपना यह रूप कभी प्रकट नहीं किया था !

शिव जी का ऐसा अतुलनीय रूप कि
करोड़ों कामदेव को भी मलिन कर रहा था !

गणेश अपने पिता की
इस मनमोहक छवि को देख कर स्तब्ध रह गये
मस्तक झुका कर बोले मुझे क्षमा करें पिता जी !
परन्तु अब आप अपने पूर्व रूप को धारण कर लीजिए !

भगवान शिव मुस्कुराये और पूछा,
क्यों पुत्र अभी भी तुमने ही मुझे
इस रूप में देखने की इच्छा प्रकट की थी,
अब पुनः पूर्व स्वरूप में आने की बात क्यों ?

गणेश जी मस्तक झुकाये हुए ही कहा,
क्षमा करें पिता श्री !
मेरी माता से सुन्दर कोई और दिखे
मैं ऐसा कदापि नहीं चाहता !
और शिव जी हँसे और
अपने पुराने स्वरूप में लौट आये !

पौराणिक ऋषि इस प्रसङ्ग का सार स्पष्ट करते हुए कहते हैं :

आज भी ऐसा ही होता है
पिता रुद्र रूप में रहता है क्योंकि
उसके ऊपर परिवार की ज़िम्मेदारियाँ
अपने परिवार का रक्षण
उनके मान सम्मान का ख्याल रखना होता है
तो थोड़ा कठोर रहता है...

और माँ सौम्य, प्यार, लाड़, स्नेह
उनसे बातचीत कर के प्यार दे कर
उस कठोरता का सन्तुलन बनाती हैं ।।
इसलिए सुन्दर होता है
माँ का स्वरुप ।।

पिता के ऊपर से भी
ज़िम्मेदारियों का बोझ हट जाए तो
वो भी बहुत सुन्दर दिखता है।

केजरीवाल सरकार के बिजनेस ब्लास्टर्स को मिली शानदार सफलता, पूरे भारत में हो रही प्रशंसा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिजनेस ब्लास्टर्स के 28 नवंबर 2021 को पहले एपिसोड के लॉन्च के बाद दूसरा एपिसोड रविवार को प्रसारित किया गया। जिसमें दिल्ली सरकार के स्कूलों के उत्कृष्ट छात्रों ने प्रमुख निवेशकों के सामने अपने व्यावसायिक विचारों को पेश किया।

शो के दूसरे एपिसोड में बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, इंडिया की निदेशक सीमा बंसल, प्रमुख कैफे चेन चायोस के संस्थापक नितिन सलूजा और दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जज के रूप में नजर आए।

इस शो में स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, खिचड़ीपुर के विज्ञान संकाय के छात्र सुख सागर ने जजों के सामने पहला आइडिया साझा किया। उन्होंने अपने दोस्त की मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान पर अपना खाली समय बिताते हुए मोबाइल और हेडफ़ोन की मरम्मत करना सीखा। मोबिसाइट नाम के इस स्टार्ट-अप आइडिया के दौरान यह हुनर काम आया। उन्होंने कहा कि जब ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हुईं तो मेरी कक्षा के कई बच्चों के पास मोबाइल फोन नहीं था। इसलिए हमने पुराने मोबाइल फोन को रीफर्बिश्ड करने और उन्हें कम कीमत पर बेचने का फैसला किया, जो हर कोई खरीद सकता है। सीड धनराशि 50 हजार रुपये प्राप्त करने और चायोस में इंटर्नशिप प्राप्त करने पर उन्होंने कहा कि बिजनेस ब्लास्टर्स ने हमें न केवल मूल्य निर्धारण, समय प्रबंधन और नेतृत्व कौशल सिखाया, बल्कि इतनी कम उम्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए एक मंच दिया है। जिससे मैं बहुत खुश हूं।

दूसरा आइडिया स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, खिचड़ीपुर की दो छात्राओं शीज़ा अली और साक्षी झा ने होम 2 क्रिएशन का पेश किया। इस स्टार्ट-अप

के तहत दो तरह की एक्सेसरीज़ का व्यापार किया, जिसमें वॉल हैंगिंग, की-चेन, निट और लूम बैग, चॉकलेट शामिल हैं। इसमें सीमा बंसल और नितिन सलूजा ने 20 हजार रुपए का अतिरिक्त निवेश किया।

उन्होंने कहा कि आखिर में मुझे लगता है कि उद्यमिता यही है। यह अन्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के साथ आप अपना भी जीवन सुधारते हैं। इस परियोजना ने हमें बहुत कुछ सिखाया है। इस प्रोजेक्ट ने शुरुआती चुनौतियों, टीम वर्क, योजना और प्रत्येक सदस्य के सहयोग से बड़ी सफलता हासिल की है।

इसके अलावा यश पटवाल और उनकी टीम के नेतृत्व में इंक परिवार एक व्यवसाय चलाता है। जिसमें वे संदेश, चुटकुले और मीम्स वाले प्रिंटेड कप, टी-शर्ट और मास्क उपहार के विकल्प के रूप में बेचते हैं। इस व्यापार को शुरू करने से पहले यह एक कठिन यात्रा थी। हमें व्यक्तिगत नुकसान हुआ और हम दुखी हो गए। लेकिन हम प्रयास करते रहे। जिसके बाद कुछ दुकानों से ऑर्डर प्राप्त करने लगे। इंस्टाग्राम पर सोशल मीडिया रीच से धीरे-धीरे आर्डर में वृद्धि हुई है। यश पटवाल ने कहा टीम को नितिन सलूजा से 80 हजार रुपये की अतिरिक्त पूंजी और 28,500 रुपये के अग्रिम ऑर्डर प्राप्त हुए। उन्हें चायोस में इंटर्नशिप करने के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

बिजनेस ब्लास्टर्स भारत का अपनी तरह का पहला टेलीविजन कार्यक्रम है, जो दिल्ली सरकार के स्कूलों के 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को निवेशकों के सामने अपने प्रोजेक्ट को प्रस्तुत करने का मौका देगा। इसके साथ ही प्रोजेक्ट को अगले स्तर तक ले जाने के लिए निवेश प्राप्त करने का अवसर देगा। यह शो 3 लाख छात्रों द्वारा पेश किए गए 51 हजार आइडियाज में से चुने गए छात्रों के व्यावसायिक आइडियाज का गवाह बनेगा।

सम्पादकीय

ओमिक्रोन का खतरा

कोरोना वायरस के बदले हुए प्रतिरूप ओमिक्रोन से संक्रमित दो मरीजों का कर्नाटक में मिलना चिंता का विषय अवश्य है, लेकिन इसके बाद भी घबराने की जरूरत नहीं। इसलिए नहीं, क्योंकि फिलहाल इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं कि यह कोरोना वायरस कितना घातक है? ओमिक्रोन के बारे में अभी तक जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार यह कहीं अधिक तेजी से लोगों को संक्रमित करता है और युवाओं को अधिक चपेट में लेता है। शायद इसी कारण अभी तक यह 25 से अधिक देशों में फैल चुका है, लेकिन इसी के साथ एक तथ्य यह भी है कि अभी उससे संक्रमित मरीजों की संख्या चार सौ से भी कम हैं।

इस वायरस की घातकता का पता चलने तक यह आवश्यक है कि उसके संक्रमण से बचे रहने के उपायों पर जोर दिया जाए और इसके लिए जरूरी कदम उठाए जाएं कि वैसी स्थिति न बनने पाए, जैसी संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान बनी थी। हालांकि अभी तक ओमिक्रोन से संक्रमित मरीजों में कोई गंभीर लक्षण नहीं दिखे हैं, लेकिन आगे ऐसा होने का अंदेशा है। इसी कारण ओमिक्रोन को दुनिया भर के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन तत्परता का परिचय देकर इस वायरस के बारे में जरूरी जानकारी जल्द हासिल कर उससे दुनिया को अवगत कराए। जानकारी जितनी सटीक होगी, वह संक्रमण से बचाव में उतनी ही सहायक बनेगी। भारत सरकार और विशेष रूप से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रलय को भी अपने स्तर पर वही काम करना होगा, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन से अपेक्षित है। उसे राज्य सरकारों को इसके लिए प्रेरित और प्रोत्साहित भी करना होगा कि वे टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाएं। यह रफ्तार बढ़े, इसकी चिंता आम लोगों और खासकर उन्हें करनी होगी, जिन्होंने अभी तक टीके की एक भी खुराक नहीं ली है। यह ठीक नहीं कि एक बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्होंने टीके की दूसरी खुराक समय पर नहीं ली है। यह खतरनाक लापरवाही है। उन कारणों की तह तक जाकर उनका निवारण करने की जरूरत है, जिनके चलते लोग टीके की दूसरी खुराक लेने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। राज्य सरकारों को आम लोगों को इसके लिए भी सावधान करना होगा कि वे कोरोना संक्रमण से बचे रहने के उपायों को अपनाने के मामले में ढील न आने दें। इसके साथ ही इस सवाल का जवाब भी खोजा जाना चाहिए कि क्या मौजूदा टीके ही ओमिक्रोन पर प्रभावी होंगे या फिर उनमें कुछ बदलाव करना होगा? इस बारे में भी जितनी जल्दी स्पष्टता हो, उतना ही बेहतर कि कोविड रोधी टीके की बूस्टर डोज आवश्यक होगी या नहीं

बिजली खर्च करने में संयम

एक महीने पहले कोयले की कमी के चलते अंधियारा छाता दिख रहा था. भारत की अर्थव्यवस्था में आये उछाल ने ऊर्जा की खपत में तेजी से बढ़ोतरी की है. यही कारण है कि देश गंभीर ऊर्जा संकट के मुहाने पर खड़ा है. आर्थिक विकास के लिए सहज और भरोसेमंद ऊर्जा की आपूर्ति अत्यावश्यक होती है,जबकि नयी आपूर्ति का खर्च तो बेहद डांवाडोल है. दूसरी तरफ हमारे सामने 2070 तक शून्य कार्बन की चुनौती भी है. भारत में दुनिया का कोयले का चौथा सबसे बड़ा भंडार है, लेकिन खपत के कारण कोयला आयात करने में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है. हमारे कुल बिजली उत्पादन 3,86,888 मेगावॉट में थर्मल पावर की भागीदारी 60.9 फीसदी है. इसमें कोयला आधारित 52.6 फीसदी, लिग्नाइट, गैस व तेल आधारित बिजली घरों की क्षमता क्रमशरू 1.7, 6.5 और 0.1 प्रतिशत है. हम हाइड्रो परियोजना से महज 12.1 प्रतिशत, परमाणु से 1.8 और अक्षय ऊर्जा स्रोत से 25.2 प्रतिशत बिजली प्राप्त कर रहे हैं.सितंबर, 2021 तक देश के कोयला आधारित बिजली उत्पादन में लगभग 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. बिजली संयंत्रों में कोयले की दैनिक औसत आवश्यकता लगभग 18.5 लाख टन है, जबकि हर दिन महज 17.5 लाख टन कोयला ही वहां पहुंचा. कोविड महामारी की दूसरी लहर के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आयी है और बीते दो महीनों में ही बिजली की खपत 2019 के मुकाबले में 17 प्रतिशत बढ़ गयी है. इस बीच दुनियाभर में कोयले के दाम 40 फीसदी तक बढ़े हैं जबकि भारत का कोयला आयात दो साल में सबसे निचले स्तर पर है. कोयले का इस्तेमाल हम अनंत काल तक कर नहीं सकते, क्योंकि इसका भंडार सीमित है. दुनिया पर मंडरा रहे जलवायु परिवर्तन के खतरे के कारण भारत के सामने भी कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने की चुनौती है. कोयले से संचालित बिजलीघरों से वायु प्रदूषण की समस्या खड़ी हो रही है. नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड के कारण अम्ल बारिश जैसे कुप्रभाव भी संभावित हैं. इन बिजलीघरों से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड धरती के गरम होने और मौसम में अप्रत्याशित बदलाव का कारक है. परमाणु बिजलीघरों के कारण पर्यावरणीय संकट अलग तरह का है. परमाणु विखंडन से बिजली बनाना किसी भी समय परमाणु बम के विस्फोट जैसे कुप्रभावों को न्योता है. आण्विक पदार्थों और रेडियो एक्टिव कचरे का निपटारा बेहद संवेदनशील और खतरनाक काम है. हवा सर्वसुलभ और खतराहीन ऊर्जा स्रोत है, लेकिन इसे महंगा, अस्थिर और गैर-भरोसेमंद माध्यम माना जाता रहा है. इस समय देश में महज 39.870 हजार मेगावॉट बिजली हवा से बन रही है. पवन ऊर्जा उपकरणों की असफलता का मुख्य कारण भारत के माहौल के मुताबिक उसकी संरचना का नहीं होना है. हमारे यहां बारिश, तापमान, आर्द्रता और खारापन, पश्चिमी देशों से भिन्न है. जिन स्थानों पर बेहतर पवन बिजली की संभावना है, वहां तक संयंत्र के भारी-भरकम खंभों और टरबाइन को ले जाना भी बेहद खर्चीला है.सूरज से बिजली पाना भारत के लिए बहुत सहज है. हमारे यहां साल में आठ से दस महीने धूप रहती है. जहां अमेरिका व ब्रिटेन में प्रति मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन पर खर्चा क्रमशरू 238 और 251 डॉलर है, वहीं भारत में यह महज 66 डॉलर प्रति घंटा है. कम लागत के कारण घरों और वाणिज्यिक एवं औद्योगिक भवनों में इस्तेमाल किये जाने वाले छत पर लगे सौर पैनल जैसी रूफटॉप सोलर फोटोवोल्टिक (आरटीएसपीवी) तकनीक, वर्तमान में सबसे तेजी से लगायी जाने वाली ऊर्जा उत्पादन तकनीक है. अनुमान है कि आरटीएसपीवी से 2050 तक वैश्विक बिजली की मांग का 49 प्रतिशत तक पूरा होगा. यदि केवल सभी ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी, सरकारी भवन, पंचायत स्तर पर सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था को स्तरीय सोलर सिस्टम में बदल दिया जाये, तो हम हर साल हजारों मेगावाट बिजली का कोयला बचा सकते हैं। सौर ऊर्जा के लिए अधिक भूमि की जरूरत होती है. सोलर प्लांट में इस्तेमाल प्लेट्स के खराब होने पर उसके निस्तारण का कोई तरीका अभी तक खोजा नहीं गया है. यदि उन्हें वैसे ही छोड़ दिया गया तो जमीन में गहराई तक उसके प्रदूषण का प्रभाव होगा. पिछले कुछ सालों में हमारे यहां अक्षय ऊर्जा से प्राप्त बिजली संचय और उपकरणों में बैटरी का प्रयोग बढ़ा हैं, जबकि यह गौर नहीं किया जा रहा है कि खराब बैटरी का सीसा और तेजाब पर्यावरण की सेहत बिगाड़ देता है। बिजली के बगैर प्रगति की कल्पना नहीं की जा सकती, जबकि बिजली बनाने के हर सलीके में पर्यावरण के नुकसान की संभावना है. यदि ऊर्जा का किफायती इस्तेमाल सुनिश्चित किये बगैर ऊर्जा के उत्पादन की मात्रा बढ़ायी जाती रही, तो इस कार्य में खर्च किया जा रहा पैसा व्यर्थ जाने की संभावना है और इसका विषम प्रभाव अर्थव्यवस्था के विकास पर पड़ेगा। विकास के समक्ष इस चुनौती से निबटने का एकमात्र रास्ता है- ऊर्जा का अधिक किफायत से इस्तेमाल करना. ऊर्जा का संरक्षण करना उसके उत्पादन के बराबर है- पूरी दुनिया में लोगों का ध्यान ऊर्जा की बचत की ओर आकर्षित करने के लिए इस नारे का इस्तेमाल किया जा रहा है. बिजली की बचत करना है।

बेहतर अर्थव्यवस्था की बढ़ती उम्मीदें

प्रीतम बनर्जी

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) की वृद्धि दर 8.4 फीसदी रही है. इससे साफजाहिर है कि हमारी अर्थव्यवस्था की सेहत बहुत अच्छी है. इस बढ़ोतरी से इंगित होता है कि उपभोक्ता का विश्वास बढ़ा है और लोग खर्च करने लगे हैं. महामारी की रोकथाम के लिए लगे लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों को हटाने से औद्योगिक और कारोबारी गतिविधियों ने तेजी से रफ्तार पकड़ी है. बीती तिमाही में निर्यात के क्षेत्र में भी बढ़िया प्रदर्शन रहा है. इस वृद्धि की एक अन्य बड़ी वजह मॉनसून का अच्छा रहना भी है. इससे फसल अच्छी हुई और किसानों की आमदनी में बढ़त हुई. हमारे देश में अक्सर यह देखा गया है कि अगर बारिश ठीक होती है, तो ग्रामीण क्षेत्र में मांग बढ़ती है. इसका वृद्धि पर सकारात्मक असर होता है.मैनुफैक्चरिंग में भी 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन यह अपेक्षा से कम है. इसका कारण आपूर्ति शृंखला के अवरोध रहे हैं. ये बाधाएं अभी भी मौजूद हैं. हमें याद करना चाहिए कि जुलाई से सितंबर तक की तिमाही पर कोरोना महामारी की दूसरी लहर की भी छाया रही है. इस लहर ने मैनुफैक्चरिंग और आपूर्ति शृंखला को प्रभावित किया था. औद्योगिक उत्पादन के लिए बहुत तरह के संसाधनों की आवश्यकता होती है. श्रमिकों के अलावा कच्चे माल तथा विभिन्न सहायक वस्तुओं की आपूर्ति भी निर्बाध ढंग से बनी रहनी चाहिए. इस कमी की वजह से फैक्ट्रियों में उम्मीद से कम उत्पादन हुआ है. अगर स्थिति सामान्य रहती और उत्पादन का स्तर अच्छा होता, तो वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत के आसपास हो सकती थी. लेकिन कुल मिलाकर यह उम्मीद तो बनती ही है कि इस वित्त वर्ष की सभी चार तिमाहियों की वृद्धि दर कम-से-कम सात से आठ प्रतिशत के बीच रह सकती है. हम कह सकते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था बीते साल की मुश्किलों से उबरते हुए सुधार की ओर अग्रसर है. जो वर्तमान तिमाही (अक्तूबर-दिसंबर) है, उसमें दीवाली और अन्य त्योहारों के मौसम में शानदार उपभोग देखा गया है और यह अभी भी जारी है. साल 2020 में इस तिमाही में महामारी के कारण बाजार बहुत धीमा रहा था, जिसका असर वृद्धि दर पर भी हुआ था. लेकिन इस बार लोगों ने खुलकर खर्च किया है. उपभोग में इस उछाल का प्रभाव हमें तीसरी तिमाही के नतीजों में जरूर देखने को मिलेगा. वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संग्रहण के आंकड़े भी इसी ओर संकेत कर रहे हैं. उपभोग के साथ निर्यात में वृद्धि के कारकों को एक साथ रख कर देखें और अगर आपूर्ति शृंखला की बाधाएं कम होती हैं, तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अगली दो तिमाहियों में भी हमें अर्थव्यवस्था का अच्छा प्रदर्शन देखने को मिलेगा. अनेक जानकार यह भी कह रहे हैं कि शायद आर्थिक वृद्धि दो अंकों में यानी 10 प्रतिशत से अधिक भी हो सकती है. इस अनुमान को एक ठोस आधार अक्तूबर में आठ मुख्य क्षेत्रों की संयुक्त बढ़ोतरी का 7.5 प्रतिशत होने से भी मिलता है. जिस तिमाही (जुलाई-सितंबर) की हम चर्चा कर रहे हैं, उसमें भी इन प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है. इन क्षेत्रों में बड़ी मांग इंफ्रास्ट्रक्चर और कृषि से आती है. हम देख रहे हैं कि इंफ्रास्ट्रक्चर में विभिन्न परियोजनाओं में बड़ी तेजी के रुझान हैं और नयी परियोजनाओं की घोषणा भी हो रही है, जिसका प्रभाव बाद में दिखेगा. इस क्षेत्र में निजी निर्माण भी बड़ा कारक है. आवास और व्यावसायिक निर्माण के क्षेत्र में महामारी से पहले से ही सुस्ती थी. आपूर्ति की मात्रा मांग से कहीं अधिक हो गयी थी. महामारी के दौरान तो यह क्षेत्र लगभग बैठ ही गया था. पर अब इसमें सकारात्मक बढ़त होने लगी है. तो, इन प्रमुख क्षेत्रों में आगे भी बढ़ोतरी होती रहेगी. आर्थिक वृद्धि के वर्तमान और भविष्य की चर्चा करते हुए हमें चुनौतियों का भी ध्यान रखना चाहिए. हमारी अर्थव्यवस्था के सामने अभी मुख्य रूप से दो चुनौतियां हैं. एक, कोरोना वायरस के नये वैरिएंट ओमिक्रॉन ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष चिंताओं को बढ़ा दिया है. अगर इससे महामारी एक बार फिर बड़े पैमाने पर फैलती है, तो हमारे निर्यात तथा आपूर्ति शृंखला पर नकारात्मक असर पड़ सकता है. आयात पर होनेवाला खर्च भी बढ़ जायेगा. दूसरी चिंता यह है कि कहीं यह नया वायरस हमारे देश में घुसकर कोई तीसरी लहर जैसी स्थिति न पैदा कर दे. अभी कोरोना महामारी नियंत्रण में है और टीकाकरण अभियान भी संतोषजनक गति से चल रहा है. यदि लॉकडाउन की स्थिति पैदा होती है, भले ही वह स्थानीय स्तर पर भी करना पड़े, तो आर्थिक गतिविधियां धीमी हो जायेंगी. महामारी उन्हीं जगहों पर अधिक फैलती है, जहां अधिक लोग होते हैं. ऐसी जगहें औद्योगिक शहर, बंदरगाह आदि होती हैं. इन्हीं स्थानों पर उत्पादन और कारोबार भी केंद्रित होता है. दुनियाभर के विशेषज्ञ भी यही कह रहे हैं कि हर जगह आर्थिक बेहतरी हो रही है, चाहे यूरोप हो, अमेरिका हो, भारत हो या फिर दक्षिण-पूर्व एशिया हो. यदि नया वायरस बुरी तरह से फैल जाता है, तो हर जगह की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी. मेरा मानना है कि हमें मुद्रास्फीति को लेकर अभी बहुत अधिक चिंतित नहीं होना चाहिए. हमारी मुख्य प्राथमिकता अर्थव्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में लाना है. अभी हमें आर्थिक वृद्धि और रोजगार बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. मुद्रास्फीति तो कुछ ऊपर रहेगी ही क्योंकि कोरोना महामारी से जूझने के लिए सरकार ने बड़े पैमाने पर खर्च किया है और यह आगे भी जारी रहेगा. जब भी सरकार खर्च करती है, तो मुद्रास्फीति में कुछ बढ़ोतरी स्वाभाविक है. तय सीमा से अगर यह दो-तीन प्रतिशत ऊपर-नीचे रहती है, तो हमें परेशान नहीं होना चाहिए. मुद्रास्फीति को नीचे लाने के लिए अगर मांग को नियंत्रित करने की कोशिश होगी, तो उसका सबसे खराब असर उन लोगों पर होगा, जिन्हें रोजगार चाहिए और जिनकी रोजी-रोटी उससे जुड़ी है. यह सही है कि मुद्रास्फीति बढ़ने से भी गरीब तबका ही सबसे अधिक प्रभावित होता है, लेकिन यह भी सच है कि इस समय अगर आप आर्थिक वृद्धि और रोजगार बढ़ाने पर जोर न दें, तो उससे भी वही लोग अधिक प्रभावित होंगे.कोशिश यह रहनी चाहिए कि मुद्रास्फीति खतरनाक स्तर पर न पहुंचे. सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़कर खर्च करने की जो नीति बनायी है, यह सही दिशा में कदम है क्योंकि इससे वृद्धि भी हासिल हो रही है और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार हो रहा है. इस नीति को जारी रखना चाहिए।

सवाल नजर और नजरिए का है

सर्वमित्रा सुरजन

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के साथ ही मुद्दों की तपिश बढ़नी शुरु हो गई है, लेकिन इनके साथ ही गैरजरूरी बातों पर भी माहौल को गरमाने की राजनीति दिखने लगी है। मीडिया और सोशल मीडिया पर अपनी टिप्पणियों और अंग्रेजी के भारी-भरकम शब्दों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर इस बार एक सेल्फी और उसके साथ लिखी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिर गए। इस बार शीतकालीन सत्र के शुरु होने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर बारामती की सांसद सुप्रिया सुले, पटियाला की सांसद परनीत कौर, दक्षिण चेन्नई की सांसद थमिजाची थंगापांडियन, जादवपुर की सांसद मिमी चक्रवर्ती, बशीरहाट की सांसद नुसरत जहां और करूर से सांसद एस जोथिमनी के साथ संसद में ली गई एक सेल्फी पोस्ट की। इस तस्वीर के साथ शशि थरूर ने कैप्शन दिया है कि-कौन कहता है कि लोकसभा काम करने के लिए आकर्षक जगह नहीं है? आज सुबह मेरे साथी सांसदों के साथ। शशि थरूर के साथ ली गई इस तस्वीर में उनके समेत छहों महिला सांसद मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। यानी संसद में काम के बीच एक खुशगवार पल को इन साथी सांसदों ने तस्वीर में कैद कर लिया। अलग-अलग दलों के सांसदों का यूं एक साथ हंसते-मुस्कुराते तस्वीर लेना, दरअसल भारतीय लोकतंत्र की विविधता भरी खूबसूरती का द्योतक है। विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए, भिन्न विचारधारा और दलों के ये निर्वाचित प्रतिनिधि अलग-अलग होते हुए भी एक साथ मुस्कुरा सकते हैं, साथ काम कर सकते हैं और अपने संसदीय दायित्वों को निभा सकते हैं, इस तस्वीर का यह मतलब भी निकाला जा सकता है। लेकिन यहां सवाल नजर और नजरिए दोनों का है। इसलिए शशि थरूर की इस तस्वीर पर अकारण विवाद पैदा करने की कोशिश की गई। खासकर इस तस्वीर के साथ दिए गए कैप्शन को लेकर कुछ लोगों ने नाराजगी जताई है और इसे महिला विमर्श के साथ जोड़ा गया है। सोशल मीडिया पर शशि थरूर को ट्रोल किया गया। एक यूजर ने लिखा- महिलाएं आपके वर्कप्लेस को आकर्षक बनाने के लिए लोकसभा में सजाने की कोई वस्तु नहीं है। वे सांसद हैं और आप उनका अपमान कर रहे हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा कि अगर आप अन्य सेक्टर में होते तो आपको अट्रैक्टिव कहने के लिए निकाल दिया जाता। सुप्रीम कोर्ट की वकील करुणा नंदी ने लिखा, अविश्वसनीय है कि किसी ने इस मुद्दे को उठाया है, क्योंकि शशि थरूर ने निर्वाचित महिला नेताओं के सिर्फ लुक तक सीमित करने की कोशिश की। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा सहित कुछ नामचीन महिलाओं ने उस तस्वीर और टिप्पणी को अभद्र तथा थरूर की संकीर्ण सोच का परिचायक माना। भाजपा विधायक राजेश नागर ने शशि थरूर को नसीहत देते हुए लिखा कि लोकसभा विधायी कार्यों के लिए है, महिलाओं के साथ सेल्फी लेकर उन्हें आकर्षक कहने के लिए नहीं है। आप भावी सांसदों के लिए गलत मिसाल पेश कर रहे हैं। इस पर टीएमसी की सांसद मिमी चक्रवर्ती ने स्पष्ट कर दिया कि यह सेल्फी उन्होंने ली है, शशि थरूर ने नहीं ली है। इस तस्वीर में शशि थरूर के साथ टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा तो नहीं हैं, लेकिन इस विवाद पर शशि थरूर का समर्थन करते हुए उन्होंने लिखा है कि एक अनाकर्षक सरकार के कृषि कानून निरसन विधेयक पर चर्चा न कराने के फैसले से ध्यान हटाने के लिए यह गैर जरूरी मुद्दा खड़ा किया जा रहा है। आप जानते ही हैं कि कृषि कानून निरसन विधेयक को मोदी सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों जगह चंद मिनटों में पारित करवा दिया और विपक्ष की मांग के बावजूद इस पर चर्चा नहीं की। सरकार के इस अलोकतांत्रिक रवैये पर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा भी राज्यसभा में 12 विपक्षी सांसदों का निलंबन, उनसे माफी की मांग करना, किसान आंदोलन, पेगासस जासूसी कांड में नए खुलासे, अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी, महंगाई ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर सरकार संसद में घिर सकती है। इसलिए सरकार लगातार चर्चा से भाग रही है, ताकि उसे विपक्ष के सवालों का सामना न करना पड़े। ऐसे में महुआ मोइत्रा के इस कथन से असहमत नहीं हुआ जा सकता कि शशि थरूर के बहाने गैर जरूरी विवाद खड़ा किया जा रहा है। हालांकि शशि थरूर ने उनकी फोटो और उस पर की गई टिप्पणी से जिन लोगों को ठेस पहुंची, उनसे माफी मांग ली है। श्री थरूर ने अपनी सफाई में कहा, सेल्फी का यह पूरा प्रकरण महिला सांसदों की पहल पर किया गया था और बेहद खुशनुमा माहौल में किया गया था। उन्हीं की पहल पर मैंने उसी भावना के साथ इसे ट्वीट किया था। अगर किसी से इसकी भावनाएं आहत हुई हों तो मैं क्षमा मांगता हूं। लेकिन मैं कार्यस्थल पर अपने सहयोगियों के साथ इस पहल में शामिल होने को लेकर खुश हूं। इसके बाद उन्होंने 30 नवंबर को संसद के अपने कुछ पुरुष सहयोगियों के साथ भी एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसके साथ एक मजाकिया लहजे में कैप्शन लिखा है कि संसद के अपने कुछ और सहयोगियों के साथ हालांकि इसके वायरल होने की कोई उम्मीद नहीं है। लेकिन मैं समान अवसर का अपराधी हूं। वैसे इस तस्वीर पर भी शशि थरूर को सोशल मीडिया पर विरोध का सामना करना पड़ा, किसी ने लिखा कि इस तस्वीर के साथ आपने आकर्षक शब्द का इस्तेमाल क्यों नहीं किया, तो किसी ने इसे क्षतिपूर्ति जैसा करार दिया। कुछ लोगों का काम दिन भर सोशल मीडिया पर सक्रिय रहकर विरोधियों की आलोचना करना ही होता है, इसे ही ट्रोल आर्मी कहा जाता है। और इससे मुकाबला करने का आसान तरीका यही है कि आप जरूरी मुद्दों पर अपनी आवाज उठाते रहिए और राई का पहाड़ बनाने वाली टिप्पणियों से खुद को बचाते रहिए। शशि थरूर ने जब महिला सांसदों के साथ यह तस्वीर खिंचवाई होगी, तो न उन्हें न उनकी साथी सांसदों को यह इल्म रहा होगा कि इस पर इस तरह विवाद खड़ा हो सकता है। और जहां तक सवाल महिला अस्मिता और सम्मान का है, तो उस पर निरंतर संवाद और विमर्श की गुंजाइश देश में है, क्योंकि महिलाओं को पूरी तरह बराबरी का दर्जा मिलने के लिए अभी कई बड़े कदम उठाने बाकी हैं। संसद में महिला आरक्षण से ले कर घर-परिवार और समाज में महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर सजगता से फैसले लेने की जरूरत है। राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी संस्थाओं के सामने इस क्षेत्र में अभी कई चुनौतियां हैं। बाल विवाह, दहेज, यौन शोषण, छेड़छाड़, घर और कार्यस्थलों पर उत्पीड़न, भेदभाव, कन्या भ्रूण हत्या, बलात्कार, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार, पुरुषों से कम वेतन मिलना, रक्षा, खेल, पत्रकारिता, मनोरंजन आदि क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं के संघर्ष, विज्ञापनों में महिला की गरिमा को कम करने का चित्रण, ऐसी सैकड़ों समस्याएं हैं, जिन पर अगर सरकारी और गैरसरकारी संस्थाएं दिन-रात काम करें, तब जाकर महिलाओं की स्थिति में थोड़े बहुत सुधार की उम्मीद हम कर सकते हैं। लेकिन उसकी जगह इस वक्त एक गैरजरूरी मुद्दे पर बहस में शक्ति व्यर्थ की जा रही है। यह सही है कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय व्यक्तियों को हमेशा सतर्क रहकर ही कोई टिप्पणी करना चाहिए। क्योंकि उनके कहे या लिखे का असर व्यापक होता है। लेकिन शशि थरूर प्रकरण में यह साफ नजर आ रहा है कि उन्होंने स्वस्थ भावना से कैप्शन लिखा, उसमें कोई गलत इरादे नहीं हैं। कुछ समय पहले अमिताभ बच्चन ने अपने शो केबीसी में आईएमएफकी अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ के लिए कहा था कि श्इतना खूबसूरत चेहरा इनका, इकॉनामी के साथ कोई जोड़ ही नहीं सकता...श् इस टिप्पणी को कई लोगों ने महिला विरोधी मानते हुए अमिताभ बच्चन की आलोचना की थी। हालांकि खुद गीता गोपीनाथ ने इस पर खुशी जताई थी कि सदी के महानायक बिग बी की जबरदस्त प्रशंसक होने के नाते ये मेरे लिए खास है। यहां भी सवाल नजरिए का ही है। क्योंकि अमूमन अर्थशास्त्र को नीरस और बोझिल विषय माना जाता है और अर्थशास्त्री धीर-गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। ऐसे में गीता गोपीनाथ के हंसते-मुस्कुराते चेहरे पर कही गई इस बात को गलत तरीके से नहीं देखा जाना चाहिए। इससे पहले रघुराम राजन के आकर्षक व्यक्तित्व के बारे में भी लिखा जा चुका है। हल्की-फुल्की टिप्पणियों को खुलेमन से ही सुना और समझा जाए, तो उसका आनंद उठाया जा सकता है। उन्हें सिद्धांतों और नैतिकता के खांचे में जबरन डालने से उनका विद्रूप होना स्वभाविक है। अगर संसद में महिलाओं की बेहतरी, उनके सम्मान की फिक्र ही करना है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने रेणुका चौधरी की हंसी की तुलना टीवी पर आने वाले रामायण के किरदार से की थी, उसे याद रखना चाहिए। हर बात को महिला विमर्श से जोड़ना सही नहीं है, क्योंकि इससे महिला अधिकारों से जुड़े असल मुद्दे दब जाते हैं और महिला उत्पीड़न के खतरे और बढ़ जाते हैं। शायर अमीर मीनाई ने फरमाया है-कौन सी जा है जहां जल्वा-ए-माशूक नहीं, शौक-ए-दीदार अगर है तो नजर पैदा कर।

वाजपेयी-युग के सार्वजनिक उपक्रमों की बिक्री की जांच

नन्तू बनर्जी

अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की सबसे बड़ी आर्थिक उपलब्धि शायद देश के कुछ सबसे प्रसिद्ध राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों की बिक्री थी। वाजपेयी ने 73 महीने और 13 दिनों की कुल अवधि के लिए भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तीन कार्यकालों की सेवा की, ज्यादातर 1998 और 2004 के बीच। अपने शासन के अंतिम पांच वर्षों में, उन्होंने राज्य के स्वामित्व वाले 10 उद्यमों को बेचा। उस समय कुछ लोगों ने सरकार पर गंभीरता से सवाल उठाया था।अब, सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में 26 प्रतिशत सरकारी हिस्सेदारी एनआरआई अनिल अग्रवाल-प्रवर्तित स्टरलाइट, जो यूके स्थित वेदांत की एक सहायक कंपनी है, को बेचने में कथित अनियमितताओं में पूर्ण सीबीआई जांच के लिए एक नियमित मामला दर्ज करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश कई सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में नरेंद्र मोदी सरकार के महत्वाकांक्षी निजीकरण कार्यक्रम के लिए खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि तत्कालीन सरकार ने इस विषय पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। उस समय, राज्य के स्वामित्व वाली अलौह धातु की दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान जिंक का मूल्य 39,000 करोड़ रुपये था। कथित तौर पर, शेयरों का उचित मूल्य 1,000 रुपये प्रति शेयर से अधिक होता, हालांकि 32 रुपये 15 पैसे के आरक्षित मूल्य पर बोलियां आमंत्रित की गई थीं। ऐसा लगता है कि सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और बीवी नागरत्ना शामिल हैं, ने 18 संदिग्ध आधारों पर सीबीआई जांच का आदेश दिया है। 26 प्रतिशत सरकारी हिस्सेदारी की बिक्री में कई अनियमितताओं के सूचीबद्ध होने के बावजूद सीबीआई की प्रारंभिक जांच का एक दोषपूर्ण समापन है। हिंदुस्तान जिंक में सरकारी बिक्री से स्टरलाइट को बहुत कम समय में अतिरिक्त शेयर हासिल करने में मदद मिली, ताकि जिंक प्रमुख में नियंत्रण हिस्सेदारी हो सके। सरकारी हिस्सेदारी खरीदने के तुरंत उसने 2002 में बाजार से एक और 20 प्रतिशत का अधिग्रहण किया। अगले ही वर्ष, उसने उद्यम को अपने रूप में चलाने के लिए एक मजबूत बहुमत शेयरधारक बनने के लिए एक 2006 की अपनी रिपोर्ट में, सीएजी ने संकेत दिया कि परिसंपत्ति मूल्यांकनकर्ता और वैश्विक सलाहकार ने संपत्ति का उचित मूल्यांकन नहीं किया। पीठ ने कहा, पर्याप्त सामग्री है और सीबीआई को एक नियमित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया जाता है और समय-समय पर इस अदालत को अपनी जांच के लिए स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करना है।श्श् अपने अंतिम निष्कर्षों के आधार पर, सीबीआई जांच वाजपेयी युग के दौरान कुछ सबसे होनहार सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, जैसे कि इंडियन पेट्रोकेमिकल्स, भारत एल्युमिनियम, जेसप एंड कंपनी में कथित रूप से कम मूल्यवान संपत्ति की बिक्री में इसी तरह की जांच की संभावना को खोल सकती है। उन इकाइयों की कमान के तहत अचल संपत्ति की संपत्ति अमूल्य थी। कुछ निजी खरीदारों ने कथित तौर पर अचल संपत्ति बेचकर बड़ी रकम अर्जित की। अब देखना यह होगा कि दिल्ली सीमा पर किसानों के धरने के विरोध में इस महीने की शुरुआत में तीन कृषि बिलों को रद्द करने के लिए मजबूर होने के बाद पहले ही हार चुकी सरकार, सुप्रीम कोर्ट के नवीनतम आदेश और देश में बदलते राजनीतिक माहौल के संदर्भ में बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और बैंकों के निजीकरण के अपने विशाल कार्यक्रम को आगे बढ़ाती है। मोदी सरकार के पास वाजपेयी सरकार की तुलना में बहुत बड़ा निजीकरण रोड मैप है। हालांकि वाजपेयी शासन ने कम समय में लगभग एक दर्जन सार्वजनिक उपक्रमों और संयुक्त उद्यम मारुति उद्योग को बेच दिया, लेकिन वर्तमान सरकार पिछले सात वर्षों में टाटा के पक्ष में केवल एक - एयर इंडिया लिमिटेड - को बेचने में सफल हुई है। यह भी एक संकटपूर्ण बिक्री प्रतीत हुई।

एयर इंडिया के लिए एकमात्र अन्य बोलीदाता स्पाइसजेट के अध्यक्ष अजय सिंह के नेतृत्व वाला एक संघ था। टाटा संस की 18,000 करोड़ रुपये की उद्यम मूल्य बोली, जिसमें केवल 2,700 करोड़ रुपये का नकद घटक था, प्रतिद्वंद्वी बोली लगाने वालों की तुलना में अधिक था। टाटा ने 140 से अधिक विमानों और विदेशी हवाई अड्डों पर 900 स्लॉट के साथ विशाल एयरलाइन का अधिग्रहण किया, जिसमें सबसे मूल्यवान लंदन का हीथ्रो भी शामिल है। वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार, संसद में भारी जनादेश का आनंद ले रही है, मूल रूप से दो दर्जन से अधिक बड़े-टिकट वाले सार्वजनिक उपक्रमों और बैंकों को बेचने की योजना है। इनमें विशाल विजाग, दुर्गापुर और सलेम संयंत्र और नीलाचल इस्पात निगम, बड़े तेल शोधक भारत पेट्रोलियम, सबसे बड़ा समुद्री जहाज शिपिंग निगम और कंटेनर निगम सहित छह इस्पात संयंत्र शामिल हैं। हालांकि, कुछ चुनिंदा कंपनियों के लिए वेदांत के एनआरआई अनिल अग्रवाल और आर्सेलर मित्तल के लक्ष्मी मित्तल को छोड़कर कुछ संभावित भारतीय खरीदार हैं। विजाग स्टील की प्रस्तावित बिक्री पहले ही कंपनी के कर्मचारियों और राज्य सरकार दोनों के निशाने पर आ गई है। राज्य के स्वामित्व वाले कुछ वाणिज्यिक बैंकों को बेचने के लिए एनडीए प्रशासन की बोली को अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के कड़े विरोध का भी सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश भारतीय व्यापारिक घराने अभी आर्थिक रूप से तंग स्थिति में हैं। कोविड -19 महामारी ने 2020-21 के दौरान पूरी अर्थव्यवस्था को नकारात्मक विकास के दौर में पीछे धकेल दिया है। चालू वित्त वर्ष के दौरान व्यापार में सुधार रिकॉर्ड खुदरा डीजल और पेट्रोल की कीमतों से प्रभावित हुआ है, इस साल अक्टूबर में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित देश की मुद्रास्फीति को बढ़ाकर 12.54 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1.31 प्रतिशत थी। यहां तक कि कुछ बड़े सार्वजनिक उपक्रमों की संकटपूर्ण बिक्री को भी वास्तविक भारतीय निवेशकों और व्यापारिक समूहों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिलने की संभावना नहीं है। कथित कम कीमत वाले हिंदुस्तान जिंक बिक्री मामले में सुप्रीम कोर्ट का आदेश, सरकार के सभी तीन नए कृषि कानूनों को अचानक निरस्त करने का अभूतपूर्व निर्णय और सात राज्यों में आगामी चुनाव, सरकार को प्रस्तावित पीएसयू बिक्री पर धीमी गति से चलने के लिए मजबूर कर सकते हैं। अगले साल होने वाले सात राज्यों में से छह में भाजपा का शासन है। ये राज्य हैं- पंजाब, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा। भाजपा का दांव स्वाभाविक रूप से ऊंचा है। कम से कम इनमें से दो राज्यों में बीजेपी के लिए चुनाव की संभावनाएं बहुत उज्ज्वल नहीं दिख रही हैं। 2022 में चुनाव के लिए एकमात्र अन्य राज्य पंजाब है, जो कांग्रेस द्वारा शासित है। इन परिस्थितियों में, मोदी सरकार के कुछ उच्च-मूल्य वाले राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों को एनआरआई या स्थानीय निजी बोलीदाताओं को सस्ते में बेचने की जल्दी में होने की संभावना नहीं है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

इंसानियत की मिशाल पीयूष रस्तोगी

युवा नेता पीयूष रस्तोगी लगातार रक्तदान कर बचा रहे हैं इंसानियत

(संवाददाता)

स्योहारा। नगर निवासी युवा छात्र एवं भाजपा नेता पीयूष रस्तोगी बरसो से बिना भेदभाव के रक्तदान कर लोगो व इंसानियत को बचा रहे हैं,इसी कड़ी में कल भी पीयूष रस्तोगी धामपुर पहुंचे और नगर निवासी ज़रूरतमंद मोनू सैनी को दोबारा खून देकर उसकी जान बचाई।

ब्लड देते पीयूष

पीयूष रस्तोगी ने कहा कि हम सबको समय समय पर खून देकर जरूरमंद लोगो की जान बचानी चाहिए क्योंकि हमारा खून ईश्वर द्वारा दिया गया एक अनमोल रत्न है जिसको हम जितना बांटे उतना ही ईश्वर इसमे बरकत देता है खून देने से हमे कोई बीमारी या कमज़ोरी नही होती।

ट्रांसफार्मर में लगी आग से मची अफरा-तफरी

(संवाददाता)

स्योहारा। नगर के मुरादाबाद रोड पर उस वक्त अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया जब एक विद्युत ट्रांसफार्मर में भीषण आग लग गई और देखते ही देखते ट्रांसफार्मर धू-धू कर जल उठा। नगर के बीच बीच मुरादाबाद रोड पर स्टेशन चौराहे पर एक विद्युत ट्रांसफार्मर रखा हुआ है जिसमें अचानक चार्ट सर्किट की वजह से भीषण आग लग गई। आग इतनी जबरदस्त थी कि पूरा ट्रांसफार्मर धू-धू कर जल उठा। आबादी के बीच व्यस्ततम चौराहे पर रखे इस विद्युत ट्रांसफार्मर में पहले भी कई बार आग लग चुकी है। आग लगने की सूचना विद्युत विभाग को दी गई तो विद्युत आपूर्ति बाधित कर लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया। इस दौरान आग लगने से चौराहे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। वहीं राहगीरों और आसपास के दुकानदारों का कहना है कि आए दिन विद्युत ट्रांसफार्मर में आग लगने के कारण कभी भी बड़ा हादसा पेश आ सकता है।

एडीएम प्रशासन से मिले अरुण कुमार वर्मा. बताई समस्याएं

(संवाददाता)

स्योहारा। जनपद में नई तैनाती पाने वाले एडीएम प्रशासन विनय कुमार से मिलने के लिए जाने माने व्यापारी नेता व उत्तर प्रदेश ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री व जिलाध्यक्ष अरुण कुमार वर्मा के नेतृत्व एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा और उनका स्वागत करते हुए अपनी समस्याएं रखीं।

एडीएम को सम्मानित करते हुए

जिसके बारे में अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि एडीएम से हमने व्यापार से सम्बंधित कई समस्याएं रखीं जिनको बड़ी गम्भीरता से सुनते हुए एडीएम प्रशासन विनय कुमार ने अतिशीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया व व्यापारी वर्ग को हर सम्भव सहयोग का भी वादा किया।

इस मौके पर जिला महामंत्री वैभव रस्तोगी, ज़िला सचिव शोभित वर्मा,ज़िला सचिव यतेंद्र कुमार,सरदार दल्लू सिंह,अक्षय वर्मा,अमित कुमार,अनिरुद्ध कुमार आदि व्यापारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बसपा का एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

(संवाददाता)

लखनऊ। उन्नाव के सुरक्षित विधान सभा क्षेत्र- (164) मोहान में एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन हसनगंज स्वर्णिम बैंक्वेट लॉन ,मोहान रोड, चौगड़ा खेड़ा, हसनगंज हाउस उन्नाव में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि सतीश चन्द्र मिश्रा (राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्य सभा सांसद बसपा), नकुल दुबे (पूर्व कैबिनेट मंत्री उ.प्र.), एडवोकेट विनय कुमार कश्यप(सेक्टर संयोजक लखनऊ मंडल), राकेश कुमार गौतम (सेक्टर संयोजक लखनऊ मण्डल), विनोद कुमार भारती (मुख्य सेक्टर प्रभारी लखनऊ मण्डल),जिला अध्यक्ष उन्नाव मिथिलेश पंकज बसपा प्रत्याशी विनय चौधरी 164 मोहान विधान सभा आदि ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस मौके पर सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष व जानकीपुरम पार्षद चांद सिद्दीकी द्वारा निकाली गई साइकिल रैली

- समाजवादी पार्टी के हजारों कार्यकर्ता रैली में हुए शामिल,
- लखनऊ के घंटाघर के पास समाप्त हुई सपा की साइकिल रैली

(संवाददाता)

जानकीपुरम, लखनऊ। लखनऊ उत्तर विधानसभा के अंतर्गत समाजवादी पार्टी से विधायकी के टिकट के लिये दावेदारी कर रहे पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष लोहिया वाहिनी चाँद सिद्दीकी व जानकीपुरम पार्षद द्वारा जानकीपुरम से लेकर खदरा व सीतापुर रोड होते हुए क्लॉक टावर, एवं हुसैनाबाद तक विशाल साइकिल व बाइक रैली निकाली गयी तथा जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए तथा रैली के दौरान जगह-जगह स्थानीय लोगों द्वारा सपा पार्टी के संभावित प्रत्याशी चाँद सिद्दीक़ी का जोरदार स्वागत किया गया। इस बार

उत्तर विधानसभा की लड़ाई दिलचस्प मोड़ ले रही हैं क्योंकि विधानसभा समीकरण की बात की जाए तो इस उत्तर विधानसभा में लगभग एक लाख तीस हजार मुस्लिम मतदाता हैं तथा अगर समाजवादी पार्टी यहाँ से मुस्लिम प्रत्याशी को टिकट देती हैं तो ये सीट निश्चित रूप से समाजवादी पार्टी जीत सकती हैं। इस यात्रा में प्रमुख रूप से उत्तर विधानसभा अध्यक्ष आलोक यादव ,आजाद सलमानी, महासचिव मो सगीर ,उपाध्यक्ष लोहिया वाहिनी सुहेल अहमद, मो जुनैद, अमिता त्रिपाठी, रवि यादव, अभिषेक मिश्रा, मो0 अनस, अनस अहमद, जीशान खान, शैलेंद्र राजपूत, डॉ वसीम, शारिक सलमानी, मोहम्मद एनचार्ज , कमर जहां, वारिस खान, राईस मोहम्मद गुड्डू, शारिक , शमी साहिल सैफ, राहुल मौर्या, रोहित शुक्ला, आशीष यादव, हर्षित सिंह सहित अन्य कार्यकर्तागण व समाजवादी पार्टी के नेता गण शामिल हुये।

बीकेटी चेयरमैन अरुण सिंह गप्पू तिरंगा यात्रा में हुए शामिल

सैकड़ों मोटरसाइकिलों व भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ निकाली गई तिरंगा यात्रा

(संवाददाता)

बख्शी का तालाब, लखनऊ। बख्शी का तालाब क्षेत्र के अंतर्गत विधानसभा 169 क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को तिरंगा यात्रा का कार्यक्रम किया?? गया। तथा इस दौरान बीकेटी चेयरमैन अरुण सिंह गप्पू व नगर पंचायत इटौंजा के वार्ड नंबर चार सभासद सुधाकर अवस्थी ने भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं के साथ महोना के गंगागिरी स्थान पर पहुंचकर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। वहां से बीकेटी क्षेत्र के गांव-गांव से होकर उत्तर प्रदेश सरकार व भारत सरकार के जय कारों के नारे लगाए गए तथा इस अवसर पर बीकेटी चेयरमैन अरुण सिंह गप्पू, किसान मोर्चा भाजपा लखनऊ जिला अध्यक्ष अतुल मिश्रा, लखनऊ जिला उपाध्यक्ष उमेश सिंह, सभासद सुधाकर अवस्थी, कमल सिंह राठौर, मानसिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, विनय सिंह टीटू, युवा नेता अनुराग अवस्थी, युवा नेता प्रिंस द्विवेदी, अमित अवस्थी, पल्लू अवस्थी, गोलू अवस्थी, करन अवस्थी,बादशाह पांडे,सहित सैकड़ों कार्यकर्ता तिरंगा रैली में मौजूद रहें।

महोना के गंगागिरी स्थान से निकाली गई तिरंगा यात्रा, भाजपा के कई दिग्गज नेता हुए शामिल

(संवाददाता)

- तिरंगा यात्रा में हजारों मोटरसाइकिलों व भाजपा कार्यकर्ता ने मोदी योगी के लाए नारे

इटौंजा, लखनऊ। लखनऊ की विधानसभा बख्शी का तालाब 169 क्षेत्र के अंतर्गत रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। बता दें कि जिसमें भारतीय जनता पार्टी के विधायक अविनाश त्रिवेदी व बीकेटी चेयरमैन अरुण सिंह गप्पू व समाजसेवी आदित्य मिश्रा अपने-अपने काफिले के साथ भारी संख्या में मोटरसाइकिलों पर सवार होकर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए तथा कार्यकर्ता तिरंगा महोना के गंगा गिरी स्थान से लेकर गांव गांव में तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपा की योजनाओं व विकास नीति पर कार्यकर्ताओं को स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने संबोधित किया व दिशा निर्देश दिए गए। तथा वहीं पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह तथा मोदी सरकार के नारे लगाते हुए नजर आए। इस अवसर पर भाजपा विधायक अविनाश त्रिवेदी, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष अतुल मिश्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कृष्ण लोधी, वरिष्ठ भाजपा नेता योगेश शुक्ला, बीकेटी चेयरमैन अरुण सिंह गप्पू, सभासद सुधाकर अवस्थी, सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता व वरिष्ठ नेता तिरंगा रैली में शामिल हुए।

डॉ राघवेंद्र शुक्ला ने तिरंगा झण्डा दिखाकर तिरंगा वाहन यात्रा की प्रारंभ

(संवाददाता)

लखनऊ। आजादी के 75वें वर्षगाँठ के उपलक्ष्य मे अमृत महोत्सव के अंतर्गत कैप्टन मनोज पांडेय चौराहे से आज दिनाँक 5 दिसम्बर 2021 प्रात: 10 बजे से तिरंगा वाहन यात्रा प्रारंभ हुई।

इस ऐतिहासिक यात्रा को गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के महासचिव डॉ0राघवेंद्र शुक्ल जी ने तिरंगा लहरा कर प्रारम्भ किया। इस कार्यक्रम में गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के समस्त पदाधिकारी , कार्यकर्ता तथा अन्य सम्मानित नागरिक गण उपस्थित थे। तिरंगा वाहन यात्रा गोमती नगर के कैप्टन मनोज पांडे चौराहे से 1090 चौराहा पर जाकर एक सभा में तब्दील हो गई। रैली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति के कार्यकर्ता, नागरिक, पार्षद राम कृष्ण, भोग कार्यवाह ज्योति प्रकाश, नगर कार्यवाह राजीव, गौरव, महासमिति के सीजी नायर, आलोक मिश्रा, अशोक गुप्ता, अमित शर्मा, नंदिनी मिश्रा, दीपा टंडन, निर्मला सिंह, प्रफुल्ल चतुर्वेदी, अमरेंद्र राय, सत्य प्रकाश, विश्व हिंदू परिषद के अलोपी शंकर मौर्य, मनोज मिश्रा, अजय तिवारी, सुमित, एलके शुक्ला, मनोज उपाध्याय, राजेश अधोलिया, बीजेपी मंडल अध्यक्ष आनंद पांडे की टीम और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

भक्ति ज्ञान वैराग्य और त्याग इन सभी के संयोग का ही नाम है भागवत गोल्डी शास्त्री

(संवाददाता)

हरदोई। तारागाँव में चल रही श्रीमद्भागवत में सुपरस्टार गोल्डी शास्त्री नें आज भक्तों को कथा सुनाते हुए कहा कि मन और वाणी को पवित्र करने के लिए भगवान का स्मरण करना चाहिए। मानव को मोक्ष प्राप्त करने के लिए धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने भागवत के महात्यम पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने भागवत कथा सुनने के नियम, शौनक सूत संवाद, सूत जी द्वारा छह प्रश्नों में संपूर्ण कथा का सार बताना, परीक्षित को गद्दी देकर पांडवों का वद्रिकाश्रम जाना, परीक्षित श्राप, शुकदेव का राजा परीक्षित को कथा सुनाने तक का प्रसंग सुनाया शास्त्री जी ने कहा कि भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और त्याग इन सभी के संयोग का नाम ही भागवत है। राजा परीक्षित ने सुकदेव से प्रश्न किया कि मरने वाले जीव के कल्याण का साधन क्या है? तब सुकदेव ने श्रीमद्भागवत महापुराण का बखान किया। कहा कि हर प्राणी के लिए श्रीमद्भागवत कथा सर्वश्रेष्ठ है?।

श्रृंगी ऋषि से श्रापित होने के बाद राजा परीक्षित को भागवत कथा के सुनने से ही मुक्ति मिली थी । यह कथा सुनने से प्राणी के सभी पापों का नाश होता है। कथा को सुनने के लिए आयोजक रामसिंह फौजी प्रधान समेत अमर सिंह, उदयवीर सिंह, छोटे, उदयकुमार, मिलाप,ग्यान प्रकाश, कमलेश, करन लाल, रामकिशोर पाठक, रमेश पाठक, चन्द्रप्रकाश, हर्षमैन मिश्रा, रामू मिश्रा, दयाराम, बचान सिंह यादव, मोहन यादव, प्रेमपाल, द्रगपाल,राम-लखन यादव, श्रीकान्त मिश्रा, जितेन्द्र विनय वाजपेयी समेत कथा पांडाल में श्रद्धालु विराजमान रहें।

सेहत महकमे की बदहाल सूरत

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है धान क्रय केंद्र

तालाबंदी के कारण चरागाह का रूप ले चुका है अस्पताल परिसर भरखनी

(संवाददाता)

हरदोई। भले ही स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार बड़े-बड़े दावे कर रही हो लेकिन असलियत में स्वास्थ्य सेवाओं का बदहाल चेहरा सत्तासीन नेताओं तथा प्रशासनिक अमले को दिखाई नहीं पड़ रहा है हालत यह है कि स्वास्थ्य महकमे में केवल ष्करारेष् के सामने सब कुछ ऑल वेल ऑल इज वेल है कारण यह है कि सेहत महकमा और जिला प्रशासन आइना देखना ही नहीं चाहता है सत्य उसे बेहद कड़वा लगने लगा है आइए हम बात करते हैं जनपद की सीमावर्ती एक सीएससी की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरखनी जो जनपद फर्रुखाबाद और शाहजहांपुर की सीमा पर स्थित है इस स्वास्थ्य विभाग की मजबूत कड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से हजारों लोगों को स्वास्थ्य लाभ की दरकार रहती है लेकिन यह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरसों से खुला ही नहीं है यही नहीं इस स्वास्थ्य केंद्र में धान क्रय केंद्र स्थापित कर दिया गया है यहां मरीज झोलाछाप डॉक्टरों की शरण में जाने के लिए विवश है या फिर वह पाली स्थित स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपना इलाज करवाएं या फिर जिले की ओर कुच करें हालांकि सीमावर्ती स्वास्थ्य केंद्र होने के कारण यहां के लोग शाहजहांपुर और फर्रुखाबाद भी इलाज कराने के लिए जाते रहते हैं ग्रामीण बताते हैं कि यहां कभी कोई डॉक्टर रुकता ही नहीं है यहां तैनात सभी डॉक्टर और कर्मचारी नदारत ही रहते हैं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य द्वार (चौनल) में ताला ही लटकता रहता है ग्रामीण अपने बीमार रोगी को लेकर आते हैं और मायूस होकर लौट जाते हैं हालत यह है कि अब इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में धान क्रय केंद्र स्थापित किया गया है और भवन में बोरे भरे हुए हैं सवाल यह उठता है कि सेहत विभाग का मुखिया क्या ष्करारेष् के चक्कर में स्वास्थ्य भवन को धान क्रय केंद्र में बदल सकता है ? आखिर यह किसके आदेश से सामुदायिक स्वास्थ्य भवन में धान क्रय केंद्र संचालित हो रहा है ? यह एक विचारणीय बिंदु है फिलहाल भरखनी क्षेत्र के आसपास के दर्जनों गांव वासी इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से मायूस ही दिखाई पड रहे हैं भले ही इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में धान क्रय केंद्र संचालित हो रहा हो लेकिन सेहत महकमे और जिला प्रशासन तथा प्रदेश सरकार के आला हुक्मरानों की नजरों में सब कुछ ऑल इज वेल है और सभी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं स्वास्थ्य केंद्र के बाहर खड़ी बड़ी-बड़ी घास इसे चरागाह का रूप भी दे रही है यहां के कर्मचारी कहां हैं किसी भी को पता नहीं है हां वेतन सबका निकल रहा है और सरकारी खजाने को चूना लगाया जा रहा है लोग बताते हैं कि यहां बरसों से यही हाल है भले ही पेपरों पर यहां मरीज भर्ती होते हो पर असलियत में यहां की तस्वीरें सेहत महकमे की कलई खोल रही हैं सेहत विभाग के मुखिया का आलम यह है कि उनका सीयूजी नंबर उनके अधीनस्थ ही उठाते हैं सेहत महकमे में करारे की धार ने सभी गुनाहों पर पर्दा डाल रखा है यही वजह है कि क्षेत्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सेवाओं से मरहूम है ग्रामीणों का कहना है कि खबर छापने से भी कुछ होने वाला नहीं है क्योंकि इसकी जांच भी सेहत विभाग से जुड़े अधिकारी करेंगे और वहां फिर ष्करारेष् के तेज धार के आगे उनकी कलम ऑल इज वेल के अलावा और कोई भी शब्द लिखने के लिए नहीं चलेगी । ग्रामीणों का कहना है कि यदि उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की सारी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मुहैया होने लगे तो उन्हें 60 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय तथा अन्य पड़ोसी जनपदों के चिकित्सकों की परिक्रमा नहीं करनी पड़ेगी। देखना यह है कि स्वास्थ्य विभाग कि इस घोर अनियमितता पर क्या कार्रवाई होती है या फिर इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में धान क्रय केंद्र का ही उपचार होता रहेगा यह समय हकीकत में है।

रेल परामर्शदाता ने मनकापुर स्टेशन का लिया जायजा

(संवाददाता)

मनकापुर गोण्डा। रविवार को रेल परामर्श दात्री समिति के सदस्य पंकज श्रीवास्तव ने मनकापुर स्टेशन पर पहुँचकर जायजा लिया। भ्रमण में उनके साथ मनकापुर स्टेशन को स्वच्छता का पुरस्कार दिलाने वाले स्टेशन अधीक्षक प्रभाकर पाण्डे तथा रेल के अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने मनकापुर की जटिल समस्याओं की जानकारी ली। इस मौके पर मानस मंगल दल सेवा समिति के अध्यक्ष आर के नारद ने सुझाव देते हुए मांग किया कि स्टेशन पर पश्चिमी छोर पर फुट ओवर ब्रिज इस पार से उस पार तक जाने यात्रियों तथा ग्रामीणों को जाने के लिए स्टेशन के बाहर शुलभ शौचालय ,मनकापुर अयोध्या के लिए पैसेंजर ट्रेन सरजू सिंह गुमटी पर भारी यातायात को देखते हुए ओवर ब्रिज या अंडर ग्राउंड ब्यवस्था बाहर से आने वाले यात्रियों में उनके समान रखने के लिए लॉक ब्यवस्था बाघ एक्सप्रेस गोरखधाम एक्सप्रेस जम्बू तवी अमरनाथ ट्रेनों का ठहराव तथा स्टेशन के मुख्य मार्ग को ऊंचा करने माननीय पंकज श्रीवास्तव द्वारा उक्त समस्याओ को शीघ्र निदान कराने का अनुरोध किया। इस अवसर पर विजय श्रीवास्तव नीरज अमरदीप ,राजदीप राजन आदि लोग मौजूद रहे।

निक्की तंबोली ने मचाया तहलका

एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस फैंस के साथ भी अपने अलग-अलग लुक की तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जो आग लगा रही हैं। लुक की बात करें तो निक्की डार्क ग्रीन साइड कट लहंगे में नजर आ रही हैं। इसके साथ एक्ट्रेस ने हील पहनी हुई है। गले में एक्ट्रेस ने हैवी नेकलेस पहना हुआ है। न्यूड मेकअप और ओपन हेयर्स से अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। इस लुक में एक्ट्रेस बेहद हॉट लग रही हैं। एक्ट्रेस चेयर पर बैठ कर किलर अंदाज में पोज दे रही हैं। निक्की की इन तस्वीरों को देख कर फैंस आहें भर रहे हैं।

बता दें कि निक्की 'बिग बॉस 14' में नजर आई थीं, जिसमें एक्ट्रेस के निडर बिहेवियर को खूब पसंद किया गया था। इसके बाद एक्ट्रेस 'खतरों के खलिाड़ी 11' में नजर आई थीं, जिसमें एक्ट्रेस स्टंट करने से कतराती दिखाई दी थी।

KBC के सेट पर पहुंची 'तारक मेहता...' की पलटन

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की पूरी पलटन जल्द ही टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर नजर आएगी। 10 दिसंबर को प्रसारित होने जा रहे इस एपिसोड का टीजर वीडियो मेकर्स ने सोनी टीवी पर रिलीज कर दिया है। जेठालाल, टप्पू, सोड़ी और बबीता जैसे किरदार निभाने वाले सभी कलाकार जब KBC के सेट पर पहुंचे तो पूरा सेट लोगों से खचाखच भर गया।

इतने सारे लोगों को KBC के सेट पर देखकर अमिताभ बच्चन ने हैरानी से कहा कि आप सब 21 लोग हैं। जाहिर है कि KBC में हॉटसीट पर बैठने वाले कंटेस्टेंट अधिकतम दो लोग होते हैं। अब ऐसे में समस्या ये बनी कि इतने सारे लोगों के साथ किस तरह गेम खेला जा सकेगा। तो इसका हल भी शो के लीड एक्टर दिलीप जोशी ने बता दिया।

दिलीप जोशी ने बिना देर किए अमिताभ बच्चन से कहा कि क्या करेंगे। दो लोग तो उधर (हॉट सीट पर) बैठ जाएंगे। बाकी के लिए नीचे पंगत लगा दीजिए। दिलीप जोशी की बात सुनकर अमिताभ बच्चन ने अपना माथा पकड़ लिया और कहा, 'हे भगवान'। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में पत्रकार पोपटलाल का रोल प्ले करने वाले एक्टर श्याम पाठक ने भी अपनी तकलीफ बच्चन साहब के सामने रखी। पोपटलाल ने अमिताभ के पैर छूकर उनसे कहा कि आप मेरी शादी करवा दीजिए। आटा गूंथता हूं बढ़िया और लॉकडाउन में झाड़ू पोछा भी अच्छी तरह कर लेता हूं। इतना ही नहीं शो की पूरी स्टार कास्ट सेट पर गरबा भी करती दिखाई पड़ी। इस एपिसोड में जाहिर तौर पर जमकर मस्ती होने वाली है। फैंस भी इसे लेकर खासे उत्साहित हैं।

जाह्नवी का देसी अंदाज

दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर ने बहुत ही कम समय में फैंस के दिलों में अपनी एक खास जगह बनाई हैं। साल 2018 में धड़क से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली जाह्नवी भले ही कम फिल्मों में दिखीं, लेकिन वह इंडस्ट्री की सबसे स्टाइलिश स्टार किड्स बन गई हैं। डेब्यू के बाद से ही जाह्नवी ने अपने सरटॉरियर फैशन से लोगों का ध्यान खींचा। एक्ट्रेस अपने वर्कआउट लुक से रेड कार्पेट तक के लुक्स से फॉलोअर्स को हैरान कर देती हैं। हाल ही में जाह्नवी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में जाह्नवी का देसी अवतार देखने को मिल रहा है। लुक की बात करें तो जाह्नवी पिंक कलर की फ्लोरल प्रिंट साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इस लुक के साथ उन्होंने स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया। मिनिमल मेकअप, बड़ी-बड़ी झुमकी और माथे पर छोटी सी बिंदी लगाए जाह्नवी लोगों के दिलों पर वार कर रही हैं। जाह्नवी की कजरारी आंखों के वार से बचना फैंस के लिए बेहद मुश्किल हो रहा है। अपने तीखे नैनों से धड़क गर्ल ने लोगों के दिलों पर तीर चला दिए। जाह्नवी कपूर के देसी अंदाज को लोग सोशल मीडिया पर काफी पसंद कर रहे हैं।

ट्रोलर्स के निशाने पर 'कांटा लगा गर्ल'

शेफाली जरीवाला बिग बॉस में हिस्सा लेने के बाद से एक बार फिर से लाइम लाइट में आ गई हैं। इन दिनों शेफाली अपने पति पराग त्यागी के साथ छुट्टियां मनाने गई हैं। लेकिन इस दौरान शेफाली ने एयरपोर्ट पर कुछ ऐसा कर दिया। जिससे अभिनेत्री ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं। शेफाली जरीवाला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। शेफाली जरीवाला ने अपने आधिकारकि इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए ये वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में शेफाली फ्लाइट में बैठने के लिए जाते हुए डांस करने लगती हैं। शेफाली की ये रील देख कई सोशल मीडिया यूजर्स भड़क गए और एक्ट्रेस को जमकर खरी-खोटी सुनाने लगे। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, कौनसा नशा किया है मैडम। तो वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, कहीं कोई मिर्गी का दौरा समझकर पकड़ ना ले। ध्यान रखो दीदी। एक अन्य यूजर ने लिखा, ये पूरी जनरेशन ही बर्बाद हो गई है। इसी तरह शेफाली के इस वीडियो पर लोगों ने तरह-तरह से कमेंट कर एक्ट्रेस को बुरी तरह से ट्रोल किया। बता दें कि शेफाली जरीवाला बिग बॉस के 13वें सीजन का हिस्सा बनी थीं। इसके बाद से शेफाली दोबारा चर्चा में वापस आ गईं।

विक्की- कटरीना की शादी में शामिल होंगे 120 मेहमान

बॉलीवुड एक्टर कटरीना कैफ और विक्की कौशल जल्द ही राजस्थान में शादी करने जा रहे हैं। जिसमें सीमित मेहमान शामिल होंगे। एक साल से ज्यादा समय से कटरीना कैफ और विक्की कौशल की डेटिंग की खबरें चल रही हैं, वहीं बीते कुछ महीनों से दोनों की शादी की चर्चाएं हैं। लेकिन, अब तक दोनों की ओर से इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। एक करीबी सूत्र के अनुसार, दोनों की संगीत, मेहंदी और संगीत की शुरुआत हो गई है। इसके साथ ही होने वाले विवाह समारोह के लिए भी राजस्थान में तैयारी शुरू हो गई है। सात से नौ दिसंबर तक चलने वाली इस शादी में कटरीना और विक्की के परिजनों के अलावा टोटल 120 मेहमान ही शामिल होंगे। जो कटरीना और विक्की के खास होंगे।

बीच किनारे सुजैन

सुपरस्टार ऋतिक रोशन की वाइफ सुजैन खान ब्वॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी संग रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहती हैं। दोनों को कई जगह एक साथ स्पॉट किया जाता है। हाल ही में रम्यूर्ड कपल को गोवा से मुंबई लौटते हुए देखा गया, जिसके बाद सुजैन ने समंदर किनारे एंज्वॉय करते की तस्वीरें शेयर कीं। फैंस अब इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। शेयर की गई तस्वीरों में सुजैन खान समंदर किनारे रेत पर बैठी अपना बोल्ड अवतार दिखा रही हैं। अवारा कुत्ते के पास बैठी वह अपनी हॉट लेग्स फ्लॉन्ट कर ही हैं। उनकी ये तस्वीरें वाकई में काफी बोल्ड हैं, जिसे देख फैंस भी कायल हो गए हैं और कमेंट कर उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि हाल ही में सुजैन को अर्सलान के साथ मुंबई एयरपोर्ट से बाहर स्पॉट किया गया था। इससे पहले भी रम्यूर्ड कपल को कई दफा एक साथ टाइम स्पैंड करते देखा गया है। पिछले महीने वे वाणी कपूर और क्रिस्टल डिसूजा के साथ अनुष्का रंजन की प्री-वेडिंग पार्टी में शामिल हुए थे।

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने रोमांटिक अंदाज में सेलिब्रेट की अपनी वेडिंग एनिवर्सरी

बॉलीवुड के साथ- साथ हॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली प्रियंका चोपड़ा और अमेरिकी सिंगर निक जोनस एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के पॉवर कपल माने जाते हैं। दोनों एक- दूसरे से बेहद प्यार करते हैं और इस बात का सबूत वह दोनों अक्सर देते हुए नजर आते हैं। प्रियंका और निक 1 दिसंबर 2018 को शादी के बंधन में बंधे थे और अब उनकी शादी को तीन साल पूरे हो गए हैं। इस खास दिन को प्रियंका और निक ने काफी खूबसूरती से सेलिब्रेट किया है। निक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में निक ने अपनी और प्रियंका की रोमांटिक डिनर डेट की झलक दिखाई है, जिसे देखकर दोनों को फैंस जमकर बधाई दे रहे हैं। दरअसल, निक जोनस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें निक और प्रियंका की रोमांटिक कैंडल लाइट डिनर की झलक साफ देखने को मिल रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा एक कुर्सी पर बैठी हुई हैं और वह कैमरे की ओर देखकर हाय का इशारा कर रही हैं। इसके अलावा वीडियो में कमरे की खूबसूरत सजावट भी साफ नजर आ रही है। प्रियंका के सामने एक टेबल भी है, जिस पर कैंडल और फूल रखे हुए हैं। इसके अलावा, कमरे में आसपास कैंडल लगी हुई हैं और फूलों से सजावट की हुई है। इस वीडियो में निक अपना चेहरा नहीं दिखाते हैं, लेकिन ये कहना गलत नहीं होगा कि इस मौके को दोनों ने काफी एंजॉय किया है। इस वीडियो के कैप्शन में निक जोनस ने लिखा है, '3 साल।' प्रियंका चोपड़ा ने भी इस खूबसूरत समय की एक तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है। इस तस्वीर में उन्होंने अपने टेबल की झलक दिखाई है। इस टेबल पर एक कार्ड भी नजर आ रहा है, जिस पर लिखा है, 'मैरिड यू।' साथ ही दीवार पर लिखा है, 'हमेशा और हमेशा के लिए।' इस तस्वीर के साथ प्रियंका ने लिखा है, 'सपने को जीना।' निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा ने साल 2018 में जोधपुर के उम्मेद भवन में शाही अंदाज में शादी रचाई थी। दोनों ने पहले हिंदू और फिर क्रिश्चियन धर्म के अनुसार शादी रचाई थी, जिसकी चर्चा बॉलीवुड में लंबे समय तक हुई थी।

लारा दत्ता का खुलासा, 4 साल की बेटी के मुँह से तलाक शब्द सुन एक्ट्रेस को आने वाला था हार्ट अटैक

बॉलीवुड एक्ट्रेस लारा दत्ता इन दिनों अपनी सीसीज 'हिकअप्स एंड हुक अप्स' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस सीरीज में लारा ने लंबे समय बाद एक बोल्ड किरदार निभाया है। वैसे बेटी के जन्म के बाद एक्ट्रेस ने अपने एक्टिंग करियर को थोड़ा ब्रेक दे दिया था, लेकिन अब एक्ट्रेस फुल ऑन तरीके से एक्टिव हो गई हैं और बैक टू बैक सीरीज और फिल्में कर रही हैं। हाल ही में हिक्प्स एंड हुकअप्स के प्रमोशन के दौरान लारा दत्ता ने बेटी से जुड़ी एक ऐसी बात का खुलासा किया जिसे सुनकर उन्हें हार्ट अटैक आने वाला था। बेटी की बात सुनकर लारा दत्ता अपने पति महेश भूपति पर भी भड़क गई थीं। हाल ही में दिए इंटरव्यू में लारा ने बताया कि उनकी बेटी सायरा जब 4 साल की थी तभी से वो वेब शो 'फ्रेंड्स' को बहुत पसंद करती थी। उस सीरीज को देखने के दौरान सायरा को इतनी कम उम्र में ही तलाक के बारे में पता चला गया था और जब एक्ट्रेस को ये बात पता चली तो वो गुस्से में भड़क गईं। हैरान करने वाली बात ये थी कि बेटी को तलाक के बारे में महेश भूपति ने ही बताया था। इंटरव्यू में लारा दत्ता ने बताया, महेश का सबसे पसंदीदा शो है 'फ्रेंड्स'। मेरी चार साल की बेटी भी वो शो देखती थी। तो एक दिन सायरा कुछ गेम खेल रही थी और खेलते हुए वो मेरे पास आई और बोली 'ओह मैं यहां रह रही हूं... वो है आपका घर, मैं तलाकशुदा हूं। उसकी बात सुनकर मुझे लगभग हार्ट अटैक आ गया था। मैंने तुरंत उससे पूछा तुम क्या कह रही हो? तुमसे किसने कहा ये? तलाक क्या होता है? उसने जवाब दिया 'जब दो लोगों की शादी ठीक नहीं चलती और वो साथ आगे नहीं चलते और अलग-अलग रहना शुरू कर देते हैं इसका मतलब होता है कि उनका तलाक हो गया। जब उसने मुझे ये सब कहा तब वो पांच साल की थी। उसकी बातें सुनकर मैं हैरान रह गई मैंने उससे पूछा तुम्हें ये किसने बताया? उसने कहा 'पापा ने'। मैंने तुरंत महेश को कॉल किया और चिल्लाई कि आपने इसे क्यों बताया है कि तलाक क्या होता है? महेश हंसे और उन्होंने जवाब दिया कि 'हम 'फ्रैंड्स' देख रहे थे और वो पूछ रही थी कि रोज की शादी तीन बार क्यों हुई तो मैंने उसे बताया। लेकिन महेश का जवाब सुनने के बाद भी लारा दत्ता ने मेहश पर गुस्सा किया था और इस बात पर नाराजगी जताई थी कि उन्होंने अभी उसे तलाक के बारे में क्यों बताया। एक्ट्रेस ने कहा क्या हम इस तरह के पैरेंट्स हैं।

वॉल पेपर से सजाएं घर

घर को सजाना हर किसी को पसंद होता है, लेकिन कैसे संजाएं ये बहुत मुश्किल काम लगता है. वही जब बात इंटीरियर की आती है, तो आप अपने घर को मौडर्न लुक में देखना पसंद करती हैं. घर को सजाना हर किसी को पसंद होता है, लेकिन कैसे संजाएं ये बहुत मुश्किल काम लगता है. वही जब बात इंटीरियर की आती है, तो आप अपने घर को मौडर्न लुक में देखना पसंद करती हैं. पर अगर आप मौडर्न लुक देना चाहती हैं तो घर में कलर करवाने के बजाय आप वालपेपर लगवाएं तो यह घर की दीवारें को मौर्डर्न दिखाने के साथ खूबसूरत भी बनाएगा. आजकल वालपेपर काफी चलन में है और इसकी काफी डिमांड है. मार्केट में वालपेपर की ढेरों वैराइटी और रेंज मौजूद हैं. आइए, आपको बताते हैं वौलपेपर के इस्तेमाल के मौर्डर्न तरीकों के बारे में

थीम के अकौर्डिंग चूज करें वॉल पेपर

आजकल वाल पेपर थीम के अकौर्डिंग इस्तेमाल हो रहा है. लोग हर कमरे को उसकी उपयोगिता और उसमें रहने वाले की पसंद के हिसाब से डिजाइन कर रहे हैं. ऐसे में दीवार कैसी हो, इस बात का पूरा खयाल रखना पड़ता है. अगर आप घर के कुछ हिस्सों को हाईलाइट करना चाहती हैं, तो सिर्फ उतनी ही जगह में वालपेपर लगवा सकती हैं. इससे वह कौर्नर या रूम डिफरैंट लगेगा. नए तरीके के वालपेपर को हाईलाइटर्स की तरह ही इस्तेमाल किया जा रहा है.

फोटोज की जगह वॉल पेपर का है ट्रैंड

कुछ समय पहले तक दीवारें फोटोज से ही सजाई जाती थीं, लेकिन अब उन की जगह वालपेपर ने ले ली है. बच्चों के रूम के लिए टौम ऐंड जैरी, हैरी पौटर, बाइक्स और एनिमल प्रिंट का इस्तेमाल किया जाता है. इससे रूम खूबसूरत तो लगता ही है, बच्चों की क्रिएटिविटी भी बढ़ती है. युवाओं के कमरों के लिए फ्लोरल, टैक्सचर, स्टिकर्स, स्कैच, ट्राइएंगल और ऐब्सट्रैक्ट के साथ ही पिक्चर डिजाइन का वालपेपर सिलैक्ट कर सकती हैं. लड़कियां शिमर, फ्लोरल, रोज और ऐब्सट्रैक्ट वालपेपर ही पसंद करती हैं. कपल्स के लिए थीम बेस्ड, थ्री साइज वालपेपर के साथ डार्क शेड मिक्स ऐंड मैच किया जा सकता है. वालपेपर में आप मिक्स ऐंड मैच का फंडा अपना सकती हैं.

वौटर प्रूफ वॉल पेपर होगा आपके लिए बेस्ट

वालपेपर लगवाते समय अगर आपको लगता है कि आप उसे मेंटेन नहीं कर पाएंगी तो वाटरप्रूफ वालपेपर लगवाएं. इस की मैंटेनैंस पर खर्च भी बहुत कम आता है, क्योंकि यह वौशेबल होते हैं. अच्छी क्वालिटी का वालपेपर ही लगवाएं, क्योंकि यह 10 साल तक भी खराब नहीं होता. घर में सीलन होने पर आप सोचेंगी कि वालपेपर लगाना मुश्किल होगा, लेकिन अब यह भी आसान हो गया है. इस में सब से पहले वाल को वाटरप्रूफ किया जाता है, फिर वालपेपर लगाया जाता हैं. अगर दीवार में बहुत नमी है, तो इंटीरियर डिजाइनर वहां पर वाटरपूरफ प्लाईर् लगाने का सुझाव देते हैं.

पार्टी या फंक्शन के हिसाब से रखें वॉल पेपर

अगर आपके घर में कोई शादी या पार्टी है तो आप गोल्डन या सिल्वर कलर का वालपेपर लगवा सकती हैं. इससे आपके घर का पूरा लुक पार्टीनुमा हो जाएगा. इसी तरह ब्राइड के रूम में भी रैड या पिंक कलर के वालपेपर में ग्लिटर व स्पार्कल का इस्तेमाल बैस्ट औप्शन रहेगा.

जब लेना पड़े उधार

अपने ऑर्डर का पेमेंट करने के लिए जब आपको दोस्त या सहकर्मी से उधार लेने की ज़रूरत पड़ जाए, तो इसका सीधा अर्थ यही निकलता है कि आप अपनी हैसियत से ज़्यादा शॉपिंग करने लगी हैं. अगर आपने ऑनलाइन शॉपिंग बंद नहीं की, तो बहुत जल्द दूसरे कामों के लिए भी आपको उधार लेना पड़ सकता है.

ज़रूरत से ज़्यादा ऑनलाइन शॉपिंग?

ढेरों वैरायटी और आकर्षक डिस्काउंट के कारण लोगों को ऑनलाइन शॉपिंग की लत-सी लग जाती है, जिसके कारण उनकी इनकम का ज़रूरत से ज़्यादा हिस्सा शॉपिंग में ख़र्च होने लगता है और उन्हें इसका एहसास भी नहीं होता. जब एहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है. आपके साथ ऐसा न हो, इसलिए हम बता रहे हैं कुछ संकेत, जिनसे आपको पता चल सके कि शॉपिंग हद से ज़्यादा हो रही है.

जब घर में बेकार की चीज़ों के ढेर लग जाए

डिस्काउंट ऑफर्स के चलते जब आपके घर में ऐसी चीज़ों के ढेर लग जाएं जिनकी आपको कोई ज़रूरत नहीं या जिनका इस्तेमाल आप नहीं करतीं, तो समझ जाइए कि आप ऑनलाइन शॉपिंग की आदी हो गई हैं और अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई

जब सेविंग अकाउंट बन जाए एक्सपेंस अकाउंट

ऑनलाइन बैंकिंग सुविधा के कारण अब आप एक क्लिक पर कोई भी चीज़ आसानी से ख़रीद सकती हैं. यदि आप इस सुविधा का ज़रूरत से ज़्यादा उपयोग ऑनलाइन शॉपिंग के लिए कर रही हैं और इसके कारण आपका सेविंग अकाउंट एक्सपेंस अकाउंट में बदल चुका है, तो इसका मतलब यही है कि आप अनलिमिटेड शॉपिंग करने लगी हैं.

जब क्रेडिट कार्ड का बिल बेहिसाब आने लगे

ऑनलाइन शॉपिंग के कारण यदि पहले की तुलना में क्रेडिट कार्ड का बिल दुगुना आने लगे, तो इसे ख़तरे की घंटी समझकर सतर्क हो जाइए, वरना ऑनलाइन शॉपिंग के चक्कर में बहुत जल्द बैंक वालों की नज़र में आप ब्लैक लिस्टेड हो सकती हैं.

जब तोड़ना पड़ जाए पिगी बैंक

अपनी सहूलियत के हिसाब से आप पिगी बैंक में इसलिए पैसे जमा करती हैं ताकि बुरे वक्त में इसे तोड़कर आप अपनी सारी तो नहीं, मगर कुछ ज़रूरतें तो पूरी कर ही सकती हैं, लेकिन ज़रूरत की बजाय ऑनलाइन शॉपिंग का बिल भरने के लिए यदि आपको पिगी बैंक तोड़ना पड़े, तो ये ख़तरे की घंटी है. बेहतर होगा, अब अपनी शॉपिंग की लत पर लगाम लगाएं

जब ट्राई करने के लिए करने लगें शॉपिंग

वन पीस ड्रेस में मैं कैसी लगूंगी? क्या हाई हील सैंडल मुझ पर जंचेगी? अगर आप भी ऐसे ही सवालों के जवाब ढूंढ़ने के लिए या चीज़ों को महज़ ट्राई करने के लिए ऑनलाइन शॉपिंग कर रही हैं, तो अपनी इस आदत को सुधारिए, वरना बहुत जल्द आप भी ओवर ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगी.

हर दूसरे दिन डोर पर खड़ा हो डिलीवर ब्वॉय

जब आपके दरवाज़े पर हर दूसरे दिन डिलीवर ब्वॉय खड़ा रहने लगे या उसका आना-जाना इतना बढ़ जाए कि पड़ोसी भी उसे आपके घर का मेहमान समझने लगें, तो समझ जाइए कि अब आप शॉपिंग की लिमिट क्रॉस कर रही हैं.

कामकाजी महिलाओं के लिए ऑनलाइन पढ़ाई का चैलेंज

इस कोरोना काल में कामकाजी मांओं के लिए अपने बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई कराना किसी चुनौती से कम नहीं. मगर कुछ बातों का ख्याल रखा जाए तो आप बड़ी आसानी से इस चुनौती का सामना कर सकती हैं. आजकल कोविड-19 की वजह से बच्चों के स्कूल बंद हैं और उन के ऑनलाइन क्लासेज चल रहे हैं. इधर कामकाजी महिलाओं को अपने ऑफिस के काम भी घर पर करने होते हैं. पहले मांएं बच्चों को स्कूल या खेलने भेज कर चैन से अपना काम करती थीं मगर अब हर समय बच्चे घर पर होते हैं. कामकाजी माँओं के लिए अपने काम के साथसाथ बच्चों की ऑनलाइन क्लासेज पर नजर रखना आसान नहीं होता.

▸▸सब से पहली चुनौती तो यह आती है कि मां अपने ऑफिस का काम करे या बच्चे की ऑनलाइन पढ़ाई ठीक चल रही है या नहीं इस पर नजर रखे.

▸▸कई बार बच्चे पढ़ाई कम और दूसरे साइट्स खोल कर ज्यादा बैठ जाते हैं. वे लैपटॉप या फोन पर गलत चीजें देख सकते हैं. उन का मन एकाग्र नहीं होता और कई बार तो वे ऑनलाइन क्लास बंक कर के या क्लास खत्म कर के गेम्स खेलने लग जाते हैं.

▸▸ऑनलाइन क्लासेज के दौरान बच्चों की आंखों पर भी असर पड़ता है. लाइटिंग आदि की सही व्यवस्था न हो या क्लासेज लंबी चलें तो उन्हें तकलीफ हो सकती है.

▸▸बच्चों की क्लासेज और अपने ऑफिस के काम के साथ घर के काम निपटाना मां के लिए एक चुनौती भरा काम होता है.

1.बच्चों का ध्यान भटकने से बचाएं

बच्चों का ध्यान न भटके इस के लिए मां को पेरेंटिंग कंट्रोल फीचर्स अपनाने होंगे. आप लैपटॉप या मोबाइल की सेटिंग्स में कुछ परिवर्तन कर बच्चों को गलत साइट या गेम ओवरडोज से बचा सकती हैं.बीचबीच में अपने काम से ब्रेक ले कर बच्चों पर नजर रखती रहें. वे क्या पढ़ रहे हैं और कितना समझ रहे हैं इस पर गौर करें. लैपटॉप, फोन आदि की हिस्ट्री चेक करती रहें कि बच्चे ने कहीं कोई गलत साइट तो नहीं खोली थी. बच्चे को पहले से ही यह बात समझा कर रखें कि गलत चीजों से दूर रहें. गलत लिंक ओपन न करें और उन्हें फॉरवार्ड भी न करें. इस से वायरस आ सकते हैं दिमाग में भी और लैपटॉप/फोन में भी. उन्हें समझाएं कि अपनी प्रिवेसी कैसे कायम रखी जा सकती है.

2.घर में बनाएं अलग वर्कस्पेस

अपने काम के लिए और बच्चों की पढ़ाई के लिए सोच-समझ कर जगह तय करें. इस स्थान पर अच्छी रोशनी हो ताकि बच्चे एकाग्रता के साथ पढ़ सकें. घर में उन्हें क्लासरूम जैसा अहसास हो. यह जगह बच्चे के सोने, खेलने के स्थान से दूर हो. इस के आसपास खिलौने आदि न रहें. सही माहौल में बच्चे जल्द ही ढल जाएंगे और इस स्थान पर क्लासरूम जैसा अनुभव पा सकेंगे.

3.डिवाइस करें तैयार

औनलाईन लर्निंग ठीक से जारी रहे इस के लिए वायरलैस कनेक्शन होना ज़रूरी है. ऐसा कनेक्शन चुनें जिस का बैण्डविड्थ आप के काम और बच्चों की पढ़ाई दोनों के लिए उपयुक्त हो . उचित स्क्रीन चुनें ताकि टेक्स्ट देखते समय आंखों पर ज़ोर न पड़े. अगर आप का काम और बच्चे की औनलाईन कक्षा का समय एक ही है तो सुनिश्चित करें कि आडियो सिस्टम में किसी तरह की रूकावट न आए. इस के लिए आप हैडफोन्स का इस्तेमाल कर सकती हैं.

दिनचर्या और अनुशासन

लॉकडाउन के कारण लोगों की दिनचर्या बदल गई है. चीजें धीमी गति से बढ़ रही हैं. मगर घर में भी स्कूल जैसी दिनचर्या बना कर आप बच्चे के जीवन को व्यवस्थित बना सकती हैं. बच्चों को समय पर जगाएं, क्लास का समय होने से पहले नाश्ता दें, दिन के टाईमटेबल के अनुसार उन की किताबें तैयार करें. सुनिश्चित करें कि क्लास के दौरान बच्चे बारबार ब्रेक न लें. शाम में कुछ समय होमवर्क के लिए तय करें. इस तरह का अनुशासन बनाए रखना आसान नहीं है लेकिन अगर इसे आदत बना लिया जाए तो जीवन आसान हो जाएगा.

5.ब्रेक के लिए समय निर्धारित करें

बच्चे खासकर छोटे बच्चों की एकाग्रता 25 मिनट से ज़्यादा नहीं रहती. बच्चों से कहें कि ब्रेक के दौरान किसी पालतू जानवर के साथ खेलें, थोड़ा चलेंफिरें या परिवार के सदस्यों के बीच समय बिताएं. इसतरह का छोटा सा ब्रेक आप को और आप के बच्चे के दिमाग को तरोताज़ा कर देता है और चीज़ें व्यवस्थित रूप से चलती रहती हैं.

किचन की टाइल्स को आसानी से चमकाएं

घर की साफ़ सफाई पर तो सभी ध्यान देते हैं। घर के हर कमरे की सफाई और हर सामान को करीने से सजा कर रखा जाता है। मगर घर के कुछ कोने और चीजें ऐसी हैं जिन्हें समय समय पर साफ नहीं किया जाता है। कई बार तो लोग दिवाली की सफाई के समय उस तरफ ध्यान देते हैं। दरअसल हम बात कर रहे हैं आपके रसोईघर की टाइल्स की। खाना बनाने के दौरान कई बार तेल और सब्जी के मसाले आदि के छींटे टाइल्स पर लग जाते हैं। यही आपके किचन की खूबसूरती को कम कर देता है। आइये कुछ ऐसे आसान उपाय जानते हैं जिससे आप किचन की टाइल्स पर जमी तैलीय परत को कम मेहनत और कम समय में हटा सकते हैं। सिरका का मिश्रण आप दो कप सिरका और दो कप पानी का घोल बना लें। अब इसे एक स्प्रे बोतल में भर लें। आप किचन की टाइल्स पर इस स्प्रे को छिड़के और फिर माइक्रो फाइबर कपड़े की मदद से इसे साफ़ कर लें। ब्लीच या अमोनिया का घोल आप अपनी रसोईघर की टाइल्स पर जमी गंदगी से परेशान हैं तो आप ब्लीच और पानी एकसमान मात्रा में लेकर घोल बना लें। अब सर्कुलर मोशन में टाइल्स पर इसे लगाएं। ध्यान रहे कि ब्लीच का इस्तेमाल करते समय आपने दस्ताने पहने हों। इसके बाद आप सूखे कपड़े से अपनी टाइल्स पोंछ लें। बेकिंग सोडा का पेस्ट अगर टाइल्स पर दाग की मोटी परत जमी हुई है तो आपको बेकिंग सोडा पेस्ट का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए आप बेकिंग सोडा के साथ सिर्फ पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब दाग वाली जगह पर इसे लगाकर दस से पन्द्रह मिनट के लिए छोड़ दें। आप गिले कपड़े की मदद से इसे पोंछ सकते हैं। आप चाहें तो टूथब्रश से इसे रगड़कर साफ़ कर सकती हैं।

स्किन के हिसाब से चुनें साबुन

रुखी स्किन : जिनकी स्किन बहुत रुखी होती है उन्हें मॉइश्चराइजर वाला साबुन यूज करना चाहिए। मॉइश्चराइजर वाला साबुन यूज करने से स्किन रुखी नहीं लगती हैं। मॉइश्चराइजर वाला साबुन यूज करने से स्किन मुलायम और कोमल बनी रहती है।

सामान्य स्किन : अगर आपकी स्किन सामान्य है तो आप किसी भी तरह का साबुन यूज कर सकती हैं। सामान्य स्किन पर हर तरह का साबुन सूट करता है। आप सामान्य और मॉइश्चराइजर वाला साबुन यूज कर सकते है।

ऑयली स्किन : अगर आपकी स्किन बहुत ऑयली है तो आप नॉरमल साबुन का यूज करना चाहिए। आपको ऐसे साबुन का चयन करना चाहिए जो आपकी स्किन रुखा ना बनाएं। बाजार में ऑयली स्किन के लिए बहुत सारे साबुन आते है, आप मार्केट से ऑयल स्किन वाला साबुन ले सकते हैं। आप लेमन या फिर ग्लिसरीन वाला साबुन यूज कर सकती है।

एंटीबैक्टीरियल साबुन : स्किन की देखभाल करने के लिए एंटी बैक्टीरियल साबुन का यूज करना चाहिए। एंटीबैक्टरियल साबुन के इस्तेमाल करने से शरीर पर किसी भी तरह के दाद और दाने नहीं होते है। ऑयली स्किन के लिए एंटीबैक्टीरियल साबुन बहुत ही असरदार होता है।

ऑयली स्किन : अगर आपकी स्किन बहुत ऑयली है तो आप नॉरमल साबुन का यूज करना चाहिए। आपको ऐसे साबुन का चयन करना चाहिए जो आपकी स्किन रुखा ना बनाएं। बाजार में ऑयली स्किन के लिए बहुत सारे साबुन आते है, आप मार्केट से ऑयल स्किन वाला साबुन ले सकते हैं। आप लेमन या फिर ग्लिसरीन वाला साबुन यूज करें।

फटी एड़ियों को बनाएं सुंदर

लिस्ट्रीन और सिरका : लिस्ट्रीन में थाइमोल और अल्कोहल काफी मात्रा में मौजूद होते हैं, जो पैर की उंगलियों के फंगस से लड़ने में आपकी मदद करते हैं। इसलिए इसका इस्तेमाल करने से फटी एड़ियां जल्द ठीक हो जाती हैं, ये त्वचा को शांत करते हैं। इसके अलावा सिरका में मौजूद हल्के एसिड शुष्क और मृत त्वचा को नरम करते हैं, जिससे यह आसानी से ठीक हो जाते हैं। इस नुस्खे को अपनाने के लिए आप एक कप लिस्ट्रीन, एक कप सफेद सिरका और 2 कप पानी का मिश्रण तैयार करें और अपने पैरों को करीब 15 मिनट तक भिगोएं। इसके बाद आप अपने पैरों को प्यूमिस पत्थर की मदद से साफ करें। इसके बाद आप अपने पैरो को सूखा कर उसपर मॉइस्चराइज करने वाली क्रीम लगाएं।

चावल का आटा, शहद, और सिरका : फटी एड़ियों को ठीक करने और त्वचा को सही करने के लिए आप चावल के आटा का इस्तेमाल कर सकते हैं। चावल के आटा त्वचा को एक्सफोलिएट कर, उसे शुद्ध करता है। इसके साथ ही शहद एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक है जो फटे पैरों को ठीक करने में मदद करता है। इस नुस्खे का इस्तेमाल करने के लिए आप 3 चम्मच चावल का आटा, एक चम्मच शहद, और थोड़ा सा एप्पल साइडर विनेगर डाल लें। इसे अब आप अपने फटे पैरों पर लगाएं। इस पेस्ट को लगाने के बाद आप करीब 10 मिनट के लिए अपने पैरों को गुनगुने पानी में भिगोएं और उसे साफ कर लें।

केला : आपको बता दें कि कई घरेलू नुस्खों में केला काफी फायदेमंद साबित हुआ है, फटी एड़ियों का इलाज करने में भी केला काफी अच्छा माना जाता है। केला एक प्राकृतिक त्वचा मॉइस्चराइजर है। इसमें विटामिन ए, बी 6 और सी काफी मात्रा में होते हैं, जो सभी त्वचा की लोच को बनाए रखने और त्वचा को हाइड्रेटेड रखने में मदद करते हैं। केले का पेस्ट बनाकर आप इसे अपनी फटी हुई त्वचा पर लगाएं और इसे 20 मिनट तक रहने दें। 20 मिनट बाद आप इसे साफ गुनगुने पानी से धो लें और क्रीम लगा लें।

ऊनी कपड़ों की देखभाल

सर्दियों के सुहावने मौसम का मजा लेने के लिए हम कई बार पहाड़ी स्थानों पर भी जाते हैं. लेकिन इस मस्ती के बीच शरीर को ठंड से बचाने के लिए हमारी जैकेट्स कोट्स, स्टाइलिश स्वैटर व स्टोल्स बड़े काम के साबित होते हैं. क्योंकि ये जहां शरीर को गरम रखने का काम करते हैं वहीं ये स्टाइल स्टेटमैंट भी होते हैं. ऐसे में इन नाजुक व महंगे ऊनी कपड़ों की खास केयर करना बहुत जरूरी है ताकि इन की चमक बरकरार रहे और ये सालोंसाल नए जैसे ही लगें.

- जब भी ऊनी कपड़ों को धोएं तो उन पर लिखे निर्देशों को जरूर पढ़ें. जैसे अगर किसी गरम कपड़े पर लिखा हो कि औनली ड्राइक्लीन तो आप उसे हैंड वौश करने की गलती न करें.
- धोने के बाद ऊनी कपड़ों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उसे निचोड़ने के बजाय उसे आराम से टौवेल से लपेटें.
- इस से कपड़ा जल्दी सूखता भी है और उस के ढीले होने का भी डर नहीं रहता.
- ऊनी कपड़ों पर परफ्यूम न डालें, क्योंकि इस से उन में कीड़ा लगने का डर रहता है.
- यात्रा के दौरान ऊनी कपड़ों के आकार को बनाए रखने व उन्हें सिकुड़ने से बचाने के लिए कपड़ों को हलका सा फोल्ड कर टिशू पेपर में लपेटें.
- हमेशा माइल्ड लिक्विड डिटर्जेंट का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि इस से उन के खराब होने व कलर के फेड होने के चांसेज कम रहते हैं.
- अलमारी, बौक्स, जिस में भी आप वूलन कपड़ों को रखें, उस में नीम की पत्तियां, फिनाइल की गोलियां जरूर डालें, क्योंकि इन की खुशबू कपड़ों से कीड़ों को दूर रखती है.
- ऊनी कपड़ों को ड्रायर करने से बचें.
- स्वैटर की उम्र को बढ़ाने के लिए उसे उलटा कर रखें.
- जिस से उस का आकार चेंज होने से उस का लुक खराब हो सकता है.
- ऊनी कपड़ों को बदबू से बचाने के लिए नमी वाली जगह से दूर रखें.

दरवाजे पर नींबू-मिर्च टांगने का वैज्ञानिक कारण

दरवाजे ,दुकानों एवं को सभी जगह जो हमारे लिए शुभ होती है हम उसके दरवाजे पर नींबू मिर्च टांग देते हैं। मान्यता यह है कि नींबू मिर्च टांगने से घर पर घर के लोगो पर बुरी नजर नहीं लगती है। नींबू मिर्च टांगने से नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव हमारे घर पर नहीं पड़ता है, नींबू मिर्च की वजह से सारी नकारात्मक शक्तियां, काली शक्तियां, बुरी नजर सब दूर हो जाती है। और घर में धन लक्ष्मी का वास होता है,सभी देवताओं का वास होता है,घर का वातावरण शुद्ध हो जाता है। आपने कई दुकानों पर, घर के दरवाजों पर नींबू मिर्च टंगे हुए देखे होंगे। पौराणिक समय से यह मान्यता चली आ रही है कि नींबू मिर्ची सभी नकारात्मक शक्तियों दुष्प्रभाव एवं बुरी नजरों से होने वाले दुष्प्रभाव को खत्म कर देती है तथा घर में शुभता एवं शांति लाती है। हमारे ऋषि मुनि सभी नींबू मिर्ची का इस्तेमाल किया करते थे ताकि इससे उन्हें लाभ हो।

लेकिन बहुत सारी बाते ऐसी है जिसे हमारे ऋषि मुनियों ने बनाया है और जो पौराणिक समय से चली आ रही है लेकिन ऐसा तो नहीं कि सभी बातें अंधविश्वास ही हो कुछ बातें ऐसी भी होती है जिसे हमारे पूर्वजों ऋषि मुनियों ने कुछ सोच समझकर बनाया होगा। लेकिन मध्यकाल में रहे पंडितो, सभी ऊंची जाति के लोग जो खुद को भगवान तुल्य मानते थे। उन्होंने ऋषियों द्वारा बनाए गए वे सभी नियमों ,तथा वेदों में लिखे सभी चीजों को गलत तरीके से इस्तेमाल किया और अपने लाभ के लिए उसका अर्थ ही बदल दिया।

आज की रेसिपी

कलदी कुलचा

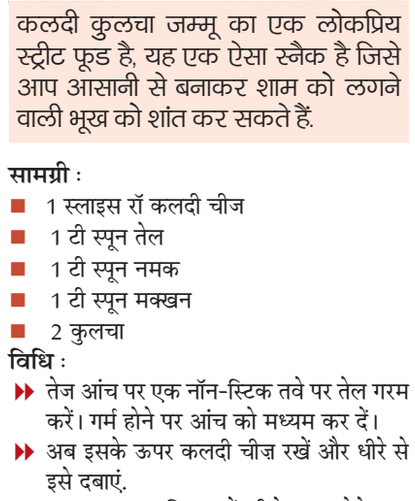

कलदी कुलचा जम्मू का एक लोकप्रिय स्ट्रीट फूड है, यह एक ऐसा स्नैक है जिसे आप आसानी से बनाकर शाम को लगने वाली भूख को शांत कर सकते हैं.

सामग्री :

- 1 स्लाइस रॉ कलदी चीज
- 1 टी स्पून तेल
- 1 टी स्पून नमक
- 1 टी स्पून मक्खन
- 2 कुलचा

विधि :

- तेज आंच पर एक नॉन-स्टिक तवे पर तेल गरम करें। गर्म होने पर आंच को मध्यम कर दें।
- अब इसके ऊपर कलदी चीज़ रखें और धीरे से इसे दबाएं.
- लगभग 2-3 मिनट में नीचे भूरा होने तक पकाया जाए, अब कलदी को पलटें और इसी तरह से पकाएं.
- इसे कुछ देर तक पकाएं जब तक कि यह अंदर से भी न पक जाए।
- जब यह पूरी पक जाए, तो कुल्चे लें, इसे थोड़ा सा काटें और इस पर मक्खन और नमक लगाएं उसी तवे पर पकाएं.
- अब कलदी को कुलचे के बीच में रखें, बीच में चटनी लगाएं और गरमागरम परोसें.

टेस्ट क्रिकेट में खास कमाल करने वाले

दुनिया के पहले गेंदबाज बने अश्विन

भारतीय स्पिनर आर अश्विन का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन लगातार जारी है और मुंबई टेस्ट मैच में भी वो जलवा दिखा रहे हैं। मुंबई टेस्ट मैच की पहली पारी में उन्होंने चार विकेट लिए थे तो वहीं टेस्ट मैच की दूसरी पारी में वो तीन विकेट चटका चुके हैं। आर अश्विन ने दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में जैसे ही विल यंग को आउट किया इस साल यानी 2021 में टेस्ट क्रिकेट में 50 विकेट लेने वाले वो पहले गेंदबाज बन गए। आर अश्विन इस साल यानी 2021 में टेस्ट क्रिकेट में 50 विकेट हासिल करने वाले पहले गेंदबाज बन गए।

आर अश्विन ने अब तक आठ टेस्ट मैच में 51 विकेट हासिल कर चुके हैं। इस साल एक टेस्ट मैच में उनकी बेस्ट बालिंग 207 रन देकर नौ विकेट रहा तो वहीं एक पारी में 61 रन देकर छह विकेट उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा। वहीं इस साल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी हैं।

न्यूजीलैंड पर मंडराया हार का खतरा

भारत जीत से पांच विकेट दूर

मुंबई

टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के सामने 540 रनों का टारगेट रखा है, जिसका पीछा करते हुए कीवी टीम का स्कोर तीसरे दिन के खत्म होने तक पांच विकेट के नुकसान पर 140 रन है। हेनरी निकोल्स 36 और रचिन रवींद्र दो रन बनाकर नाबाद हैं। भारत की ओर से आर अश्विन अभी तक कुल तीन विकेट हासिल कर चुके हैं। मैच में अभी दो दिन का खेल बाकी है और भारतीय टीम जीत से पांच विकेट दूर है। वहीं, न्यूजीलैंड को मैच जीतने के लिए 400 रन और बनाने हैं।

फिफ्टी बनाकर आउट हुए मिचेल

55 पर तीन विकेट गंवाने के बाद डेरिल मिचेल और हेनरी निकोल्स ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 111 गेंदों पर 73 रन जोड़े। इस पार्टनरशिप को अक्षर पटेल ने मिचेल (60) को आउट कर तोड़ा। मिचेल ने 92 गेंदों पर 60 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में उनका ये दूसरा अर्धशतक रहा। न्यूजीलैंड अभी इस झटके से उबर भी नहीं पाई थी कि विकेटकीपर टॉम ब्लंडल (0) पर आउट हो गए। ब्लंडल ने मिड ऑफ की दिशा शॉट लगाया था और रन लेने के लिए दौड़ पड़े थे। हालांकि दूसरे छोर से हेनरी निकोल्स ने उन्हें रन के लिए मना किया था। कीवी खिलाड़ियों के बीच तालमेल की कमी का फायदा केएस भरत ने बखूबी उठाया और गेंद को उठा कर तेजी से कीपर के पास थ्रो किया। इस तरह से न्यूजीलैंड ने अपना 5वां विकेट गंवाया।

रिव्यू के चलते बच गए निकोल्स

19वें ओवर की आखिरी गेंद पर अश्विन ने हेनरी निकोल्स के खिलाफ LBW की अपील। अंपायर ने भी आउट करार दिया। निकोल्स ने DRS लिया और रिप्ले में नजर आया कि गेंद बल्ले पर लगने के बाद पैड पर लगी थी। निकोल्स का रिव्यू न्यूजीलैंड के काम आया और वह नॉटआउट रहे। 25वें ओवर फेंक रहे उमेश यादव की चौथी गेंद पर हेनरी निकोल्स के खिलाफ LBW की अपील हुई, जिसे अंपायर ने नकार दिया। हालांकि बाद में रिप्ले में नजर आया की गेंद स्टंप्स को हिट कर रही थी। अगर टीम इंडिया रिव्यू ले लेती, तो निकोल्स के रूप में कीवी टीम का चौथा विकेट गिरता। इससे पहले 23वें ओवर की दूसरी गेंद पर भारत ने एक रिव्यू गंवाया था। दरअसल, उमेश की गेंद पर डेरिल मिचेल के खिलाफ विकेटकीपर कैच की अपील की गई। कोहली ने उमेश के कहने पर रिव्यू लिया। हालांकि साहा उससे सहमत नहीं दिख रहे थे। रिप्ले में नजर आया कि गेंद बल्ले से नहीं पैड पर लगकर गई थी।

कीवी टीम की खराब शुरुआत

टारगेट का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और कीवी कप्तान टॉम लाथम (6) रन बनाकर आर अश्विन की गेंद पर LBW आउट हो गए। लाथम ने रिव्यू लिया, लेकिन इसका फैसला टीम इंडिया के हक में ही रहा। दूसरे विकेट के लिए डेरिल मिचेल और विल यंग ने 32 रन जोड़कर टीम की पारी को पटरी पर लाने का काम किया, लेकिन अश्विन ने यंग (20) को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। यंग के विकेट के साथ ही अश्विन इस साल 50 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले बॉलर भी बन गए।

इंडिया के दोनों ओपनर्स चोटिल

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए मयंक अग्रवाल के दाहिने हाथ में चोट लग गई। उन्हें ऐहतियात के तौर पर मैदान में न उतरने की सलाह दी गई है। वहीं, शुभमन गिल भी मैच के दूसरे दिन फील्डिंग के दौरान उंगली में लगी चोट के कारण तीसरे दिन मैदान पर फील्डिंग के लिए नहीं आए।

भारत ने 276 पर घोषित की पारी

टीम इंडिया ने दूसरी पारी 276/7 के स्कोर पर घोषित की। पहली पारी में 150 रन बनाने वाले ओपनर मयंक अग्रवाल (62) दूसरी पारी में भी टॉप स्कोरर रहे। साथ ही चेतेश्वर पुजारा (47) और शुभमन गिल (47) ने भी अच्छा स्कोर बनाया। पहली पारी में सभी 10 विकेट लेकर इतिहास रचने वाले एजाज पटेल ने दूसरी पारी में भी चार विकेट अपने नाम किए।

खिताब से चूकीं पीवी सिंधु

तोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज जीतने के बाद सूखा जारी

बाली। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स का खिताबी मुकाबला हार गईं। कोरिया की एन से यंग ने रविवार को हराया। मौजूदा वर्ल्ड चैम्पियन सिंधु ने जापान की अकाने यामागुची को शनिवार को कठिन मुकाबले में हराकर फाइनल में एंट्री की थी। 26 वर्षीय भारतीय शटलर ने 16-21 और 12-21 से सीधे गेम में शिकस्त झेली।

2018 में जीता था फाइनल

पीवी सिंधु सेशन के इस आखिरी टूर्नामेंट के फाइनल में तीसरी बार पहुंची थीं, उन्होंने 2018 में यह खिताब जीता था और यह उपलब्धि अपने नाम करने वाली वह अकेली भारतीय हैं। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधु का छठे नंबर की 19 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ 0-2 का रिकॉर्ड था। तोक्यो ओलिंपिक में ब्रॉन्ज जीतने के बाद सिंधु फ्रेंच ओपन, इंडोनेशिया मास्टर्स और इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचीं। वह मार्च में स्विस ओपन फाइनल हार गई थीं।

से यंग ने इससे पहले इंडोनेशिया मास्टर्स और इंडोनेशिया ओपन के खिताब जीते थे। उन्होंने अक्टूबर में डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी सिंधु को हराया था। यह तीसरा अवसर था जबकि सिंधु टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। वह 2018 में खिताब जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय बनी थी।

एकतरफा अंदाज में जीतीं एन से यंग

दक्षिण कोरिया की एन से यंग से सीधे गेम में हारने के कारण बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। मौजूदा विश्व चैंपियन सिंधु के पास विश्व में छठे नंबर की कोरियाई खिलाड़ी के खेल का कोई जवाब नहीं था और वह आसानी से 16-21, 12-21 से हार गईं। से यंग ने नेट पर बेहतरीन खेल दिखाया और बेसलाइन पर भी अच्छा प्रदर्शन किया, उन्होंने 39 मिनट तक चले मैच में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय खिलाड़ी को किसी भी समय वापसी का मौका नहीं दिया।

अबुधाबी में रसेल की आंधी

अबुधाबी। टी-10 लीग के फाइनल में आंद्रे रसेल ने धमाकेदार पारी खेल अपनी टीम डेक्कन ग्लैडिएटर्स को जीत दिलाई। यहां खेले गए फाइनल मुकाबले में इस खिलाड़ी ने 32 गेंदों में 90 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से छह छक्के और नौ चौके निकले। उनका स्ट्राइक रेट 281.25 का था। उनकी इसी धुआंधार पारी के दम पर डेक्कन ग्लैडिएटर्स को शानदार जीत मिली और उन्होंने इस लीग पर कब्जा जमा लिया।

आखिरी तीन ओवर में 58 रन

रसेल और टॉम कैडमोर ने आखिरी तीन ओवर में 58 रन बनाए। 8वें ओवर में 21 रन बने। वहीं, वेस्टइंडीज के अनुभवी गेंदबाज रवि रामपॉल के 9वें ओवर में दोनों बल्लेबाजों ने 23 रन जड़ दिए। आखिरी ओवर में गेंदबाजी करने आए ड्वेन ब्रावो ने 14 रन दिए।

टी-10 लीग के फाइनल में जड़े

160 रनों के जवाब में दिल्ली बुल्स ने बनाए 103 रन

डेक्कन ग्लैडिएटर्स के लिए रसेल के आलावा टॉम कैडमोर ने भी 28 गेंदों में 59 रनों की पारी खाली। कैडमोर ने अपनी पारी में पांच छक्के और तीन चौके लगाए। रसेल और कैडमोर की पारी के दम पर ही ग्लैडिएटर्स ने 10 ओवर में 160 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया।

जवाब में दिल्ली बुल्स 10 ओवर 103 रन ही बना पाई। दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा रन चंद्रपॉल हेमराज ने बनाए। उन्होंने 20 गेंदों में 42 रनों की पारी खेली।

आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी

छह भारतीय खिलाड़ी बिक सकते हैं सबसे महंगे

नई दिल्ली । भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन को लेकर अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने छह कैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को चुना है, जो आईपीएल 2022 की मेगा ऑक्शन में सबसे महंगे बिक सकते हैं। आकाश चोपड़ा ने जिन छह कैप्ड भारतीय खिलाड़ियों को चुना है, उनमें हार्दिक पांड्या, ,हर्षल पटेल, दीपक चाहर, राहुल चाहर, शिखर धवन और रविचंद्रन अश्विन हैं। गौरतलब है कि आईपीएल की मौजूदा आठ टीमों ने 27 खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया ने घोषित की प्लेइंग इलेवन

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के नए टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पहले टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। पहला टेस्ट मैच आठ दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेला जाएगा। पहले टेस्ट मैच के लिए क्वींसलैंड के कप्तान उस्मान ख्वाजा ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह नहीं बना सके। वहीं तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है।

टीम की घोषणा करते हुए पैट कमिंस ने कहा कि उनके लिए मध्य क्रम में बल्लेबाजी को लेकर ट्रेविस हेड और क्वींसलैंड के कप्तान उस्मान ख्वाजा में से एक का चुनाव करना काफी मुश्किल रहा, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए हाल के टेस्ट प्रतिनिधि के रूप में हेड की स्थिति ने

उन्हें 34 वर्षीय ख्वाजा पर बढ़त दिलाई। कमिंस ने कहा कि दोनों अच्छे विकल्प थे और दोनों का ही फॉर्म जबरदस्त है। ख्वाजा के पास अच्छा अनुभव है और हम वास्तव में भाग्यशाली महसूस करते हैं कि वह स्क्वायड में हैं, लेकिन ट्रेविस ने पिछले दो सालों में टीम के लिए काफी क्रिकेट खेला है। दूसरी ओर, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने मुकाबले से तीन दिन पहले प्लेइंग इलेवन का खुलासा नहीं करने का विकल्प चुना।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आर्सेनल को 3-2 से दी शिकस्त

रोनाल्डो ने 800 गोल के आंकड़े को किया पार

एजेंसी, लंदन। पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से मैनचेस्टर युनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में गुरुवार को आर्सेनल पर 3-2 की रोमांचक जीत दर्ज की। रोनाल्डो ने इस दौरान शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में अपने 800 गोल पूरे किये। रोनाल्डो ने मैच के 52वें मिनट में गोल कर क्लब और देश के लिए मिलाकर 800 गोल के आंकड़े को पूरा किया। उन्होंने इसके बाद 70वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले एमिल स्मिथ ने 14वें और मार्टिन ओडेगार्ड ने 54वें मिनट में आर्सेनल के लिए जबकि ब्रूनो फर्नांडेस ने 44वें मिनट में मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए गोल किया था। मैनचेस्टर की टीम ने जर्मनी के दिग्गज कोच राल्फ रेंगनिक के आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभालने से पहले यह जीत दर्ज की। पिछले महीने 21 तारीख को ओले गुनार सोल्सकर को बर्खास्त किए जाने के बाद पूर्व खिलाड़ी माइकल केरिक मैनचेस्टर युनाइटेड के प्रभारी की भूमिका निभा रहे थे। केरिक ने प्रभारी रहते टीम ने तीन मैच खेले लेकिन उसे किसी में भी हार का सामना नहीं करना पड़ा।

तय कार्यक्रम पर शुरू होगा भारत का दक्षिण अफ्रीकी दौरा

सीएसए अधिकारी बोले- बायो बबल सुरक्षित, हल्के हैं ओमीक्रोन के लक्षण

एजेंसी, नयी दिल्ली। कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन ने सभी की चिंताएं बढ़ा दी है। ऐसे में क्या दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर भारतीय खिलाड़ी जाएंगे या नहीं ? इस पर अभी भी संशय बना हुआ है। आपको बता दें कि भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) की सालाना होने वाली बैठक के दौरान भारतीय टीम के आगामी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर फैसला लिया जाएगा। हालांकि कहा जा रहा है कि ओमीक्रोन के वैश्विक मामलों को देखने के बाद क्रिकेट दौरे में एक सप्ताह की देरी हो सकती है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शुएब मांजरा ने बताया कि गौटेंग प्रांत में संक्रमण का प्रसार तेजी से हो रहा है जिसमें जोहान्सबर्ग भी शामिल है। आपको बता दें कि जोहान्सबर्ग वही शहर है जहां पर भारतीय टीम अपने पहले दो टेस्ट मैच खेलने वाली है। हालांकि सभी घटनाओं के लिए प्रोटोकॉल मौजूद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉ मांजरा ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका चौथी लहर की शुरुआत में है। यहां पर मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। लेकिन मौजूदा परिस्थितियां बताती हैं कि मामले सामान्य रूप से हल्के रहे हैं। गौतेंग प्रांत के अस्पतालों में भर्ती

होने का जोखिम विशेष रूप से वैक्सीनेशन नहीं कराने वालों पर बढ़ रहा है। 75 फीसदी मामले इसी तरफ इशारा करते हैं। डॉ मांजरा ने भारत-ए दौरे का हवाला देते हुए बताया कि अभी तक एक भी कोरोना पॉजिटिव मामले नहीं सामने नहीं आया है। आपको बता दें कि भारत-ए टीम इस समय दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर है और बीसीसीआई इस दौरे को बीच में समाप्त करना चाहता है। लेकिन बोर्ड ने वरिष्ठ खिलाड़ियों के दौरे की तारीखों को आगे बढ़ाने का मन बना लिया है। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि हम स्थिति का आकलन करना चाहते हैं और फैसला करना चाहते हैं। हम खिलाड़ियों के डर को भी दूर करना चाहते हैं। भारतीय क्रिकेट टीम 9 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होगी और पहला टेस्ट 17 दिसंबर को जोहान्सबर्ग में खेलेगी। ऐसे में टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ3 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 4 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने वाली है। हालांकि कोरोना के प्रकोप को देखेते हुए भारतीय टीम ने मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ5वां टेस्ट खेलने से इनकार कर दिया था। डॉ मांजरा को लगता है कि बॉयो-बबल सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय खिलाड़ियों को 5 दिनों तक क्वारंटीन में रहना होगा। जिनमें से पहला दिन खास होगा और फिर होटल में छोटे ग्रुप्स के साथ खिलाड़ी घूम सकेंगे।